लखनऊ

रविवार, 10 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 256

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार, सुवेंदु अधिकारी ने ली सीएम पद की शपथ

संक्षेप

आखिरकार थलापति को मिल ही गई 'विजय', जुटा लिया 118 का आंकड़ा, कब लेंगे शपथ?

नई दिल्ली, एजेंसी। थलापति विजय ही तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रहे हैं। शनिवार को उनको एक और पार्टी का समर्थन मिल गया, जिसके बाद सरकार बनाने के 118 सीट के जादुई आंकड़े को उनकी पार्टी ने पार कर लिया है। विजय को कांग्रेस, CPI, CPI-M के बाद वीसीके ने समर्थन दिया है। शनिवार को वीसीके के प्रेसिडेंट ने शाम को समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके के समर्थकों में जश्न का माहौल है। विजय की पार्टी आधव अर्जुन ने कहा कि वीसीके के थोल थिरुमावलवन ने सी। जोसेफ विजय के टीवीके को अपना सपोर्ट कन्फर्म किया है। पार्टी ने सपोर्ट लेटर जारी किया है। इस सपोर्ट के साथ TVK के विजय तमिलनाडु में कोएलिशन सरकार चलाएंगे। वीसीके प्रेसिडेंट विदुथलाई चिरुथईगल काची ने कहा कि सी। जोसेफ विजय और उनकी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की लीडरशिप में सरकार बनाने में सपोर्ट करेगी। बता दें कि वीसीके के पास दो विधायकों का समर्थन है। पार्टी प्रेसिडेंट थोल। थिरुमावलवन ने टीवीके नेता को समर्थन का पत्र सौंपा। बताते चलें कि इससे पहले शुक्रवार को दिन में वीसीके के सूत्रों के हवाले से पता चला था कि टीवीके ने निवेदन किए गए फॉर्मेट में सपोर्ट लेटर जमा किया जाएगा ताकि गवर्नर मिस्टर विजय को सरकार बनाने के लिए इनवाइट कर सकें। तमिलनाडु में हुए चुनाव में अभिनेता से नेता बने सी। जोसेफ विजय का टीवीके बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि, वे बहुमत के जादुई आंकड़े छूने से दूर रह गए। वे सरकार बनाने के लिए तामम पार्टियों से समर्थन पाने की कोशिश कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के सरकारी आवास पर श्वष्ठ की दबिश, चंडीगढ़ समेत कई शहरों में एक साथ छापेमारी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर शनिवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। सेक्टर-2 स्थित आवास पर सुबह करीब 7 बजे ईडी की टीम पहुंची। जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी लगभग 20 गाड़ियों में मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां मौके पर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआईए और स्पेशल फोर्स के करीब तीन दर्जन जवानों को भी तैनात किया गया। सुबह 7:25 बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ, जो कई घंटों तक जारी रहा। जानकारी के मुताबिक, ईडी की यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग, एईएमए उल्लंघन, जमीन से जुड़े मामलों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत की जा रही है। एजेंसी ने केवल चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि लुधियाना, जालंधर और गुरुग्राम समेत कई शहरों में भी छापेमारी की। जांच के दायरे में संजीव अरोड़ा के परिवार और उनकी कंपनी से जुड़े कुछ कार्यालय भी शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के समय संजीव अरोड़ा देश में मौजूद नहीं थे। वे आधिकारिक दौरे पर नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम गए हुए हैं, जहां 'इनवेस्ट पंजाब' कार्यक्रम के तहत उद्योगपतियों से मुलाकात कर राज्य में निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में BJP के पहले मुख्यमंत्री बन गए। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को झुककर प्रणाम किया।

सुवेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। कार्यक्रम में PM मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय

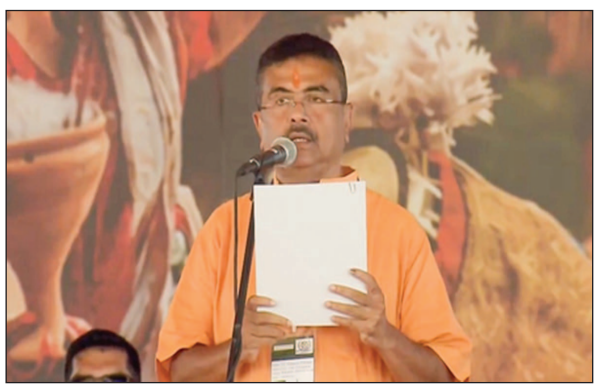

मंत्री मौजूद थे। NDA और BJP शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे। PM रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए। मुख्यमंत्री और मंत्रियों की शपथ पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से घुटनों के बल झुककर बंगाल की जनता को प्रणाम किया। पश्चिम बंगाल के CM सुवेंदु अधिकारी ने जोरासांको ठाकुरबाड़ी में श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मीडिया के सामने एक गीत गाया।

सुवेंदु अधिकारी के बंगाल के सीएम बनने के बाद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'आज का दिन बंगाल के लिए ऐतिहासिक है, जब बंगाल की जन-आकांक्षाओं को समर्पित और जन-जन द्वारा चुनी गई भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी ने शपथ ग्रहण की है। सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और सभी अन्य साथियों को मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आज से बंगाल में सुशासन, विकास और जनकल्याण का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा तथा पश्चिम बंगाल प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ेगा।'

अमित शाह

'अब मैं सबका सीएम हूं': शपथ लेते ही सुवेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान, बोले- बंगाल का पुनर्निर्माण करेंगे

सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि वे जोरासांको ठाकुरबाड़ी में मत्था टेकने के बाद अपना कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने इस दिन को राज्य और देश दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि प्रधानमंत्री की इच्छा के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह रवींद्र जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। पत्रकारों को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि यह दिन देश और पश्चिम बंगाल दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री की इच्छा थी कि रवींद्र जयंती पर नई सरकार का गठन हो। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रवींद्रनाथ गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जोरासांको में मत्था टेकने के बाद मेरा कार्य शुरू होगा। अधिकारी ने आगे कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों से प्रेरित इस पार्टी को किसी प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अब मुख्यमंत्री हूं, और मैं सबका हूं। जो लोग अभी भी नतीजों पर चर्चा कर रहे हैं, उन्हें विवेक से काम लेना चाहिए बंगाल को बहुत नुकसान हुआ है। शिक्षा का ह्रास हुआ है, संस्कृति नष्ट हुई है, और हम बंगाल का पुनर्निर्माण करेंगे। हमारे कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है; उन्हें बोलने दीजिए, मैं तो बस आगे बढ़ता रहूंगा। अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह ने पश्चिम बंगाल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम को जन्म दिया। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, धर्मेंद्र प्रधान, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी उपस्थित थे। 4 मई को, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की दो सबसे चर्चित चुनावी सीटों, भाबानीपुर और नंदीग्राम में जीत हासिल की।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के ये पांच मंत्री

शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने के तुरंत बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने नयी मंत्रिपरिषद में मंत्री के रूप में शपथ ली। बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रामाणिक और क्षुदिराम टुडू को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

BJP ने आदिवासी समाज को साधा

खुदीराम टुडू ने बंगाल के प्रमुख आदिवासी निर्वाचन क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को हराया। उनकी जीत को जंगलमहल क्षेत्र में BJP के मजबूत प्रदर्शन का हिस्सा माना जा रहा है, जहां पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान आदिवासी मतदाताओं के बीच अपनी गहरी पैठ बनाई।

गुरुदेव टैगोर जयंती पर यह 'सुखद संयोग' : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

सीएम शुभेंदु पीएम मोदी की गारंटियों को पूरा करेंगे-सुकांता मजूमदार कोलकाता में बीजेपी नेता सुकांता मजूमदार ने कहा कि कमल खिला है, प्रधानमंत्री मोदी, शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बंगाल का विकास करेगी। हमारे मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों को पूरा करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारे गए बीजेपी कार्यकर्ता देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिवारों से मुलाकात की।

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को एक सुखद संयोग बताया क्योंकि यह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, पोचीशे बोइशाख के दिन आयोजित किया गया था। ट्विटर पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुखद संयोग से, पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, पोचीशे बोइशाख के दिन हुआ। समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके चिरस्थायी शब्द राष्ट्र की अंतरात्मा को लंबे समय से झकझोरते रहे हैं और उनकी दूरदृष्टि भारत के विकास पथ को रोशन करती रहेगी। सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत हुआ। भाजपा के पांच नेताओं - दिलीप घोष, अग्निमित्र पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रमाणिक - ने भी नए राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। कोलकाता में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान उपस्थित थे। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी समेत कई अन्य मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। समारोह के बाद, प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं देबासिस मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिवारों से मुलाकात की, जिनकी हत्या कर दी गई थी। राज्यपाल आरएन रवि ने भव्य समारोह में अधिकारी को शपथ दिलाई। भाजपा ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं।

शिवसेना नेता का भाजपा पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप, शुभेंदु का स्टिंग ऑपरेशन याद दिलाया

कोलकाता, एजेंसी। शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भाजपा पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। राउत ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्ट लोगों को सत्ता देने की अपनी परंपरा जारी रखी है। हालांकि, भाजपा ने राउत के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अधिकारी के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं, जबकि राउत खुद एक मामले में जेल जा चुके हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार बनने के बाद सामने आया है। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 2020 के एक स्टिंग ऑपरेशन में अधिकारी सहित पांच तृणमूल कांग्रेस सांसदों को पैसे लेते हुए देखा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने अधिकारी (जो तब तृणमूल कांग्रेस में थे) पर छापा मारा, जिसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए और अब मुख्यमंत्री बन गए हैं। राउत ने कहा कि अधिकारी पर लगा दाग अभी तक धुला नहीं है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह भ्रष्ट लोगों को सत्ता देती है। राउत ने कहा, 'भाजपा ने भ्रष्ट लोगों को सत्ता देने की अपनी परंपरा जारी रखी है। इस निरंतरता के लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए।' शिवसेना (यूबीटी) नेता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा प्रवक्ता नवनाथ बान ने कहा कि अधिकारी के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं। बान ने जोर देकर कहा कि संजय राउत खुद जेल में समय बिता चुके हैं। उन्होंने कहा, शुभेंदु अधिकारी दोषी नहीं पाए गए हैं, लेकिन संजय राउत जेल जा चुके हैं। राउत को अगस्त 2022 में मुंबई पात्रा चॉल पुनर्विकास परियोजना से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था।

डीआरडीओ का बड़ा कमाल! अग्नि एमआईआरवी मिसाइल टेस्ट से मजबूत हुआ भारत का रक्षा कवच

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) अग्नि एमआईआरवी का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा तट के पास चांदीपुर में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा जल्द ही इस परीक्षण के संबंध में बयान जारी किए जाने की संभावना है। इस परीक्षण ने अग्नि-6 मिसाइल को लेकर हलचल मचा दी है, जिस पर डीआरडीओ लंबे समय से काम कर रहा है। पिछले महीने, डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने कहा था कि मिसाइल कार्यक्रम सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और एजेंसी ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। एएनआई राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर

सम्मेलन 2.0 में बोलते हुए कामत ने कहा था, 'यह सरकार का निर्णय है। सरकार की मंजूरी मिलते ही हम तैयार हैं। अग्नि-6 की मारक क्षमता 6,000 से 10,000 किलोमीटर के बीच होने की उम्मीद है। इस मिसाइल का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के दीर्घ दूरी की मिसाइलों के भंडार को बढ़ाना और देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है। मिसाइल में संभवतः एमआईआरवी (मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसका अर्थ है कि यह कई परमाणु हथियारों को ले जाकर विभिन्न लक्ष्यों पर दागने में सक्षम होगी।

इस बीच, शुक्रवार को ओडिशा तट पर स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड हथियार तंत्र का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रक्षा मंत्रालय (MoD) ने एक बयान में कहा कि टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन (TARA) प्रणाली को गैर-निर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में परिवर्तित करने के लिए विकसित किया गया है। TARA प्रणाली को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) ने DRDO के साथ मिलकर डिजाइन और विकसित किया है। इसका उद्देश्य 'जमीनी लक्ष्यों को निष्क्रिय करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना' है। सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए DRDO और RCI को बधाई दी है। मंत्रालय ने कहा, यह अत्याधुनिक कम लागत वाली प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है।'

हम गिरफ्तारी का आदेश देने में बहुत हिचकिचाते हैं', एडीएजी जांच पर बोली सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह और इनकी कंपनियों से जुड़े कथित विशाल पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले की गहन जांच की आवश्यकता है, क्योंकि सीबीआई ने बताया कि सात मामलों में कुल अनुमानित नुकसान लगभग 27,337 करोड़ रुपये है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह वर्तमान में जांच की निगरानी करने की योजना बना रहा है।

इसने मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए पोस्ट किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा की दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की जिसमें अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) की कंपनियों द्वारा 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण धोखाधड़ी की अदालत द्वारा निगरानी की जांच की मांग की थी। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में चार्जशीट दाखिल की गईं और सात मामलों में जांच जारी है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह अजीब है कि सीबीआई और ईडी दोनों ने कहा कि यह 27,000 करोड़ का घोटाला है और अनिल अंबानी "मुख्य आरोपित" हैं, लेकिन अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया।

सात मामलों में अनुमानित नुकसान करीब 27,337 करोड़

भूषण ने कहा, "हर जगह सीबीआई और ईडी कह रहे हैं कि इस 27,000 करोड़ रुपये के घोटाले में अनिल अंबानी मुख्य आरोपित हैं। फिर भी ना तो सीबीआइ और ना ही ईडी उन्हें गिरफ्तार करने को तैयार हैं, जैसे कि वह एक पवित्र गाय हैं।" पीठ ने अवलोकन किया कि सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा कि गिरफ्तारी का आदेश देने में वह अत्यंत संकोच करेगा जब तक कि जांच एजेंसी ऐसा नहीं चाहती।

अनिल अंबानी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अनिल अंबानी हर तरह से जांच में सहयोग कर रहे हैं। लेकिन उनका एकमात्र एजेंडा अनिल अंबानी को गिरफ्तार करना है। जबकि भूषण ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता नहीं चाहता कि किसी को प्रताड़ित किया जाए। पीठ ने कहा कि वह किसी भी पक्ष को पूर्वाग्रहित नहीं करना चाहती।

जीव अरोरापर ईडी रेड से सियासी बवाल, केजरीवाल बोले- 'भाजपा के लिए पार्टियां तोड़ रहीं एजेंसियां'

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज सुबह से पंजाब के मंत्री संजीव अरोरा के आवास पर ईडी की छापेमारी जारी है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हमने देखा है कि सीबीआई और ईडी भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के बजाय अन्य पार्टियों को तोड़ने और अन्य राजनीतिक नेताओं को धमकाकर उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का काम कर रही हैं।

केजरीवाल ने आगे कहा कि ईडी

की छापेमारी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े पांच ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत चल रहे 100 करोड़ रुपये के कथित धन शोधन मामले के संबंध में की गई। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई कार्रवाइयों के जरिए पंजाबियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि ये ईडी की छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और इनका मकसद गलत कामों को उजागर करने के बजाय दबाव डालना है। X पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बंगाल चुनाव समाप्त होते ही मोदी जी ने पंजाब में रोजाना ईडी के छापे शुरू कर दिए। पिछले कुछ वर्षों में मोदी जी ने पंजाब को भारी नुकसान पहुंचाया है।

देवबंद में दो बीघा के लिए भारी बवाल, दो समुदाय भिड़े, पथराव और लाठीचार्ज में कई घायल, छावनी बना क्षेत्र

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के देवबंद क्षेत्र के गांव लालवाला में दो बीघा जमीन को लेकर शनिवार को बड़ा बवाल हो गया। जमीन पर कब्जे को लेकर ठाकुर और अनुसूचित समाज के लोगों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और पथराव शुरू हो गया। इस दौरान दो महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए। स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हालात को काबू में करने के लिए जनपद के कई थानों का पुलिस बल भी बुलाना पड़ा। पूरे गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

जमीन पर कब्जे को लेकर शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि देवबंद कोतवाली क्षेत्र के गांव लालवाला में स्थित दो बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। शनिवार को जब एक पक्ष ने जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया तो दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़कर पथराव में बदल गई। अचानक हुए इस बवाल से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

हालात काबू करने के लिए बुलाना पड़ा अतिरिक्त पुलिस बल

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन स्थिति बिगड़ती देख जनपद के कई थानों का पुलिस बल और प्रांतीय सशस्त्र बल को भी मौके पर बुलाना पड़ा। इसके बाद गांव को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। इस दौरान भीम सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप

अनुसूचित पक्ष का आरोप है कि भीड़ को तितर-बितर करने के नाम पर पुलिस ने उन पर एकतरफा लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। वहीं ठाकुर पक्ष का कहना है कि विवादित जमीन उन्होंने खरीदी हुई है और जब वे वहां पहुंचे तो दूसरे पक्ष ने विरोध करते हुए उन पर पथराव शुरू कर दिया। बवाल में घायल हुए लोगों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तनाव को देखते हुए गांव में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

लकड़ी के विवाद में युवक की हत्या,कुल्हाड़ी-लाठी से पीटकर उतारा मौत के घाट

सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के उमरा गांव में मामूली लकड़ी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दबंगों ने युवक पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।मृतक विजय कुमार अग्रहरी (37) पुत्र स्वर्गीय राम मनोहर के भाई अयोध्या प्रसाद की तहरीर के अनुसार 29 अप्रैल को आई आंधी में पड़ोसी शिवकुमार तिवारी का नीम का पेड़ उनके घर पर गिर गया था।बाद में पेड़ ठेकेदार को बेच दिया गया। आरोप है कि 6 मई को ठेकेदार द्वारा दी गई लकड़ी की झालरी को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसी दौरान शिवकुमार तिवारी और पुतन तिवारी लाठी-डंडा व कुल्हाड़ी लेकर पहुंच गए और विजय कुमार पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।परिजन घायल विजय को पहले सौ शैय्या अस्पताल पिठला कुमारगंज ले गए।

जनपद पुलिस ने अनुमानित कीमत लगभग (88 लाख 76 हजार 200 रुपये) के अवैध मादक पदार्थों (लगभग 14 .012किग्रा0) का करवाया विनिष्टीकरण

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक श्रीमती चारू निगम के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (DDC) द्वारा एनडीपीएस एक्ट के मादक पदार्थो के 23 अभियोगो से संबंधित कुल माल 13.620 कि0ग्रा0 अवैध गांजा, 188 टैबलेट डायजापाम कुल वजन 0.094 कि0ग्रा0, 0.394 कि0ग्रा0 स्मैक,0.012 ग्राम हिरोइन (कीमत लगभग 88,76,200/ रुपये) के मादक पदार्थों का निस्तारण/ विनिष्टीकरण कराया गया । अवगत कराना है कि दिनांक 08.05.2026 को एनडीपीएस एक्ट के मादक पदार्थों के कुल 23 अभियोगों से संबंधित कुल माल 14.012 कि0ग्रा0 का निस्तारण/विनिष्टीकरण इंसीनरेटर मशीन के माध्यम से मेसर्स रायल पाल्यूशन कन्ट्रोल सर्विसेज, चांदपुर सैदोपट्टी जनपद-सुलतानपुर मे स्थापित/संचालित इंसीनिरेटर/बायलर के माध्यम से कराया गया। । *विनष्टीकरण किये गये मादक पदार्थों की कुल कीमत 8876200/ रुपये है ।* विनिष्टीकरण की प्रक्रिया जनपद स्तर पर गठित मादक पदार्थ विनष्टीकरण कमेटी के सदस्यो व अन्य पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में नियमानुसार की गयी ।

सपा में फिर सामने आई अंदरूनी खींचतान, टिकट की मांग पर भड़के नसीमुद्दीन, खाना छोड़ बीच कार्यक्रम से निकले

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी में सब कुछ ठीक होने का दावा करने वाले नेता मंच से उतरते ही अपनी ही पार्टी की अंदरूनी खींचतान में घिर गए। रामगंगा विहार स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी उस समय नाराज होकर कार्यक्रम छोड़ गए, जब समर्थकों ने उनके सामने 2027 के विधानसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट से सलीम अख्तर को टिकट दिलाने की मांग रख दी।

रतनपुर कलां में प्रस्तावित पीडीए महापंचायत को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी में किसी भी तरह के मतभेद से इन्कार किया था। उन्होंने कहा था कि सपा में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं।

सभी नेताओं का लक्ष्य 2027 में पार्टी को भारी जीत दिलाना है। लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होने के कुछ ही मिनट बाद बैंक्वेट हॉल का माहौल बदल गया। सूत्रों के अनुसार भोजन के दौरान सलीम अख्तर समर्थकों ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी के सामने मुरादाबाद विधानसभा सीट पर टिकट की पैरवी करने की मांग रख दी।

यह सुनते ही सिद्दीकी का पारा चढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि... मैं टिकट दिलाने वाला कौन होता हूं, मुझे पार्टी में आए अभी कितना समय हुआ है। इतना कहकर वह खाने की टेबल से उठ गए और बाहर की ओर बढ़ गए। मौके पर मौजूद विधायक नवाब जान, सलीम अख्तर और अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी और हाथ झटकते हुए कार्यक्रम से निकल गए। खास बात यह रही कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के अधिकांश जनप्रतिनिधि नदारद रहे। सिर्फ विधायक नवाब जान और कुछ पदाधिकारी ही मौजूद थे, जबकि सांसद और अन्य विधायक कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। सिद्दीकी ने संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता और देहात विधायक हाजी नासिर कुरैशी की पत्नी की तबीयत खराब होने का तर्क दिया। घटनाक्रम ने सपा की अंदरूनी कलह को फिर उजागर कर दिया। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हैं।

300 यूनिट बिजली मुफ्त, महिलाओं को 40000 की आर्थिक सहायता देगी सपा - नसीमुद्दीन

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने मिशन 2027 के तहत भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। रामगंगा विहार स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि सपा पीडीए के दम पर 2027 में सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी।

भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और अपराध चरम पर हैं। गैस सिलिंडर से लेकर रसोई तक सब महंगा हो चुका है। बुलडोजर कार्रवाई के मुद्दे पर नसीमुद्दीन ने कहा कि जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसके घर बुलडोजर चलवा दिया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरे घर बुलडोजर नहीं चला सकते, क्योंकि चारों तरफ आर्मी के आवास हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों से अधिकारियों को भेजकर चुनाव प्रभावित किए गए।

चुनाव आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह भाजपा की कठपुतली बन चुका है। उन्होंने कहा कि सपा पूरे प्रदेश में पीडीए को मजबूत करने में जुटी है और हर समाज को संगठन से जोड़ा जा रहा है। मुरादाबाद को समाजवादियों का गढ़ बताते हुए कहा कि यहां सपा पहले भी मजबूत थी और आगे भी रहेगी। ओवैसी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कौन हैं, हमें नहीं पता। वहीं आजम खां को बड़ा नेता बताते हुए कहा कि उनकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। इस कार्यक्रम में सपा के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, नवाब जान, सलीम अख्तर, इकबाल अंसारी, बलराम सैनी, हाजी शब्बन, फुरकान अली, लाखन सिंह सैनी, धर्मेंद्र यादव, कमरे आलम, विकास चौधरी आदि मौजूद रहे।

जनपद के थानों पर आयोजित हुआ समाधान दिवस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के थाना परिसरो में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुड़वार थाने पर थाना प्रभारी तरुण पटेल एवं राजस्व निरीक्षक शिव प्रसाद मौजूद रहे।लगभग सभी थानों पर समाधान दिवस में क्षेत्र से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित मामलों के शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश अधिकारियों द्वारा दिए गए।

थाना समाधान दिवस में भूमि विवाद, आपसी विवाद तथा राजस्व संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं, जिनके निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर पुलिसकर्मी, राजस्व विभाग और विकास विभाग के कर्मचारी एवं क्षेत्र के फरियादी उपस्थित रहे।

देश को एक और महाराणा प्रताप की है जरूरत : अजय सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। रामबरन पीजी कॉलेज बिभारपुर के प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने कहा है कि महाराणा प्रताप हमारे देश में एक ऐसे महापुरुष के रूप में प्रतिपादित हुए हैं जिन्होंने जाति और धर्म की सीमाओं से परे रहकर राष्ट्र धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।इतिहास भी ऐसे महापुरुषों के इर्द-गिर्द घूमता हुआ कालचक्र का निर्धारण करता है।

श्री सिंह रामबरन पीजी कॉलेज में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब देश में अलगावबाद, आतंकवाद, नक्सलबाद और सांप्रदायिक शक्तियां पनप रही है, ऐसे समय में उन्हें कुचलने के लिए राष्ट्र को एक और महाराणा प्रताप की जरूरत है।उन्होंने आगे कहा कि इतिहासकारों ने इतिहास के पन्नों में मुगल पीरियड में महाराणा प्रताप को वह स्थान नहीं दिया जो कवियों और साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में दिया है।पंडित श्याम नारायण पांडे ने हल्दीघाटी की रचना करके महाराणा प्रताप को अजर और अमर कर दिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर अजय त्रिपाठी, राम प्रताप दुबे, सिंधु लता त्रिपाठी, प्रशासक संजय सिंह,डायरेक्टर अमर प्रताप सिंह, मोहित चौबे,गरिमा गौतम, इस्माइल खान, दिलीप दुबे आदि उपस्थित रहे।

चंद्रनाथ मर्डर केस : यूपी की ओर मुड़ी जांच की दिशा, बंगाल पुलिस ने संभल-बदायूं में की दो युवकों से पूछताछ

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं. पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव (PA) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में जांच तेज हो गई है। बीते शुक्रवार (8 मई) को पुलिस ने इस हत्या में इस्तेमाल की गई दूसरी मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं अब इस हत्याकांड की जांच उत्तर प्रदेश की ओर मुड़ गई है। बंगाल पुलिस की टीम शुक्रवार को बदायूं और संभल पहुंची, जहां संदिग्ध मोबाइल नंबर्स के आधार पर दो युवकों से लंबी पूछताछ की गई।

सूत्रों के अनुसार, हत्या की जांच में शामिल बंगाल पुलिस की सर्विलांस टीम ने कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर्स चिह्नित किए। इनमें एक नंबर संभल जिले के गुन्नौर क्षेत्र का था। गुन्नौर पहले बदायूं जिले का हिस्सा हुआ करता था, जिसके चलते बंगाल पुलिस की टीम भ्रमवश पहले बदायूं पहुंच गई। बाद में स्थानीय पुलिस से

समन्वय के बाद टीम संभल पहुंची और गुन्नौर में छापेमारी कर उन युवकों से पूछताछ की, जिनके नाम पर संदिग्ध सिम दर्ज थे।

प्रोफेशनल शूटर शामिल होने का शक

पुलिस सूत्रों का कहना है कि हत्याकांड को जिस अंदाज में अंजाम दिया गया, उससे साफ है कि इसमें शातिर और प्रोफेशनल शूटर शामिल थे। हालांकि साजिशकर्ता कोई और हो सकता है। शूटर के उत्तर प्रदेश का होने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते यूपी के मोबाइल नंबर्स पर फोकस बढ़ गया है। फिलहाल इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यूपी पुलिस भी बंगाल टीम को पूर्ण सहयोग दे रही है।

हत्या में इस्तेमाल दूसरी बाइक बरामद

फिलहाल इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस बीच पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल दूसरी बाइक उत्तर 24 परगना जिले के बारासात के रेल गेट नंबर-11 के पास से बरामद की है। यह स्थान मध्यमग्राम से करीब 6 किलोमीटर दूर है, जहां बीते बुधवार को चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इससे पहले कोलकाता एयरपोर्ट इलाके से एक बाइक जब्त की गई थी। हालांकि जांच में उस बाइक की नंबर प्लेट फर्जी पाई गई। वहीं पुलिस अब इस बात का पता लगा रही हैं कि बरामद की गई दूसरी बाइक की नंबर प्लेट और इंजन नंबर असली हैं या नहीं।

चारपहिया गाड़ी की तलाश जारी

इधर जांच में सामने आया है कि सिलीगुड़ी के रहने वाले वाहन मालिक ने अपनी कार बेचने के लिए एक वेबसाइट पर विज्ञापन डाला था। इसके बाद उसे उत्तर प्रदेश के एक खरीदार का फोन आया था। इसी सुराग के आधार पर SIT की टीम यूपी भेजी गई है। हत्या में इस्तेमाल लाल रंग की एक संदिग्ध चारपहिया गाड़ी की तलाश भी जारी है। अधिकारियों के मुताबिक इस कार में सात से आठ लोग सवार थे और वाहन पश्चिम बंगाल के बाहर पंजीकृत है।

वहीं जांच एजेंसियों को ऐसे डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि हत्या को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। पुलिस को शक है कि इसी ग्रुप के जरिए पूरी योजना, मूवमेंट और हमले का समन्वय किया गया। SIT के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सुपारी किलर को किसने तैयार किया था।

15 फ्लेवर, 75 साल की विरासत... नजीबाबाद की सोन पापड़ी बिजनौर को दिलाएगी नई पहचान, देश-दुनिया तक पहुंचेगा स्वाद

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर. उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना पर काफी जोर दे रही है। इसके तहत जिले के एक पारंपरिक व्यंजन की पहुंचदेश-दुनिया तक आसान करनी है। इसी योजना के तहत बिजनौर जिले के नजीबाबाद शहर की सोन पापड़ी को भी पारंपरिक मिठाई के तौर पर चुना गया है। इससे स्थानीय व्यापारियों में और मिठाई प्रेमियों में खुशी का माहौल है। नजीबाबाद की सोन पापड़ी का इतिहास 10-20 साल पुराना नहीं, बल्कि करीब 75 साल पुराना बताया जाता है।

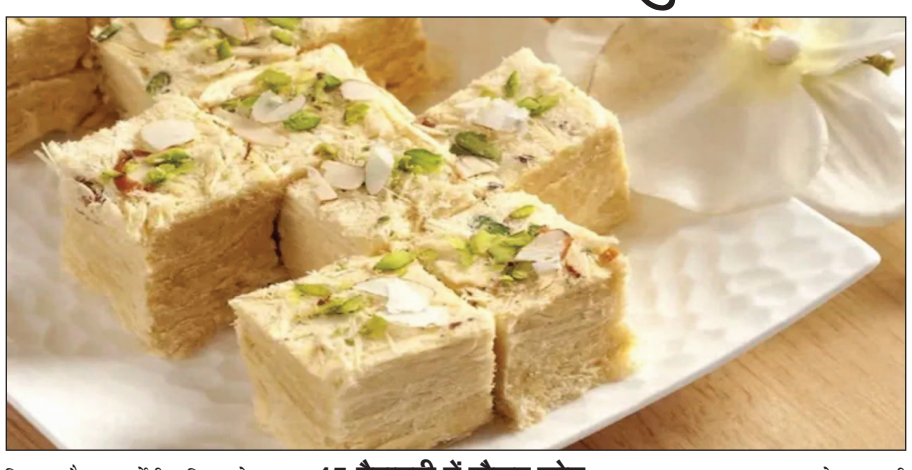

नजीबाबाद की सोन पापड़ी का स्वाद दशकों से लोगों की जुबान पर छाया हुआ है। बेसन से बनने वाली सोन पापड़ी की शुरुआत करीब 75 साल पहले चतुर्वेदी मिष्ठान भंडार से हुई थी। अपनी महीन परतों और मुंह में घुल जाने वाले स्वाद के लिए एक मिसाल है। चतुर्वेदी परिवार ने इस कला को एक विरासत की तरह सहेजा है। उनकी सोन पापड़ी की खासियत यह है कि इसमें मेवों और इलायची का ऐसा संतुलन होता है, जो इसे दुनिया की बेहतरीन मिठाइयों की कतार में खड़ा करता है।

15 वैरायटी में मौजूद सोन पापड़ी

पहले सोन पापड़ी मुख्य तौर पर गोल आकार में बनाई जाती थी, लेकिन समय के साथ इसके रूप बदले गए, जो नहीं बदला वो था इसका स्वाद। आज सोन पापड़ी काजू कतली, चौकोर डिजाइन सहित कई दूसरी डिजाइनदार कटिंग में भी मार्केट में उपलब्ध है। बाजार में इसकी करीब 15 वैरायटी मौजूद हैं। इसमें चॉकलेट फ्लेवर, ड्राई फ्रूट्स के साथ ही कई अन्य फ्लेवर शामिल हैं। इस मिठाई की खास बात यह है कि ये चार महीने तक खराब नहीं होती है, जो कि इसे व्यपारियों नजरिये में सबसे ज्यादा खास बनाती है।

जानें क्यों है खास सोन पापड़ी मिठाई

अब अत्याधुनिक पैकेजिंग के जरिए इसकी ताजगी को महीनों तक सुरक्षित रखकर ग्लोबल एक्सपोर्ट के लिए तैयार किया जा रहा है। डीएम बिजनौर जसजीत कौर के मुताबिक, सोन पापड़ी ऐसी मिठाई है जो अमीर, गरीब, बच्चे, बड़े, शहरी, ग्रामीण सहित सबकी पहली पसंद है। जो इस मिठाई को खाता है उसका पेट भले ही भर जाए मगर मन नहीं भरता। इसलिए इस मिठाई को बिजनौर जनपद के प्रोडक्ट के तौर पर लिस्टेड कराया गया है। इससे करीब पांच सौ परिवारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा।

बीमार नंदी महाराज की सेवा में फिर उतरी गौ रक्षा वाहिनी, कराया उपचार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में गौसेवा और समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय गौ रक्षा वाहिनी ने एक बार फिर मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। सिंचाई विभाग परिसर में बीमार अवस्था में पड़े एक नंदी महाराज की सूचना मिलते ही गौ रक्षा वाहिनी की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई।

बताया जा रहा है कि नंदी महाराज कई दिनों से बीमार हालत में पड़े थे और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। सूचना मिलते ही बिना देरी किए टीम मौके पर पहुंचकर पशु चिकित्सकों से संपर्क कराया और इलाज शुरू कराया। उपचार के बाद नंदी महाराज की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

गौ रक्षा वाहिनी की टीम लगातार जनपद में गौवंशों की सेवा, घायल पशुओं के उपचार, संरक्षण और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। यही कारण है कि संगठन अब सिर्फ गौसेवा तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक मजबूत पहचान बना चुका है।

प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गौ रक्षा वाहिनी लगातार ऐसे कार्य कर रही है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं। चाहे घायल गौवंश को बचाना हो, मृत गौवंश को सम्मानपूर्वक समाधि दिलानी हो या फिर प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर पशु संरक्षण का कार्य करना हो, हर मोर्चे पर टीम सक्रिय दिखाई दे रही है।स्थानीय लोगों ने भी गौ रक्षा वाहिनी के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि जहां कई लोग सिर्फ बातें करते हैं, वहीं सर्वेश कुमार सिंह और उनकी टीम जमीन पर उतरकर वास्तविक सेवा का कार्य कर रही है। जनपद में गौ रक्षा वाहिनी की सक्रियता और सेवा भावना लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

स्कूल-कॉलेजों से और दूर होगा नशा, 500 मीटर के दायरे में नहीं बिकेंगे तंबाकू उत्पाद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए प्रदेश के सभी स्कूल-कॉलेजों के 500 मीटर के दायरे को नशा मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। विद्यालय, पुलिस-प्रशासन और नारकोटिक्स विभाग मिलकर नियम का सख्ती से पालन कराएंगे।स्कूलों के गेट पर इससे जुड़ा बोर्ड भी लगाया जाएगा। अभी 100 मीटर के दायरे तक यह प्रतिबंध लागू है। इसके अलावा नशा मुक्त विद्यालय पोर्टल भी शुरू किया जाएगा। इसमें नशा मुक्ति से जुड़ी सभी जानकारियां दी जाएंगी।

युवाओं में नशे की लत को कम करने के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से तीन साल की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। मंत्रालय की ओर से इसे सभी राज्यों को भेजते हुए इसके अनुसार कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इस सत्र से सभी शिक्षण संस्थानों के 500 मीटर दायरे को नशा मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव की ओर से सभी जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को विस्तृत कार्ययोजना भेजते हुए कहा गया है कि तंबाकू व नशा मुक्त घोषित करने वाले स्कूलों के लिए एक नशा मुक्त विद्यालय पोर्टल इसी सत्र में शुरू किया जाएगा। इसमें निजी, सरकारी व एडेड सभी विद्यालय शामिल होंगे। पोर्टल के माध्यम से स्कूलों की निगरानी की जाएगी। विद्यालय खुद नियमों के पालन से जुड़ी जानकारियां इसमें देंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने बताया कि नई पीढ़ी को नशे की लत से दूर रखने के लिए जागरूकता और व्यवहार में बदलाव पर केंद्रित पीएम ई-विद्या चैनल के माध्यम से परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इसमें छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों के मानसिक स्वास्थ्य, खुशहाली और समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। माईगॉव प्लेटफार्म पर छात्रों व अभिभावकों के लिए समय-समय पर जागरुकता अभियान चलाया जाए। विभिन्न दिवसों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डीआईओएस बनेंगे नोडल अधिकारी

अभियान के लिए डीआईओएस नोडल अधिकारी होंगे। वे विद्यालयों के 500 मीटर के दायरे को नशा मुक्त क्षेत्र घोषित करने के लिए कार्यवाही करेंगे। साथ ही सभी विद्यालयों से कार्ययोजना साझा करते हुए इसे प्रभावी बनाएंगे। समय-समय पर प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करेंगे।

अभी 8.5 फीसदी छात्रों को तंबाकू की लत

इस कार्ययोजना में स्कूल शिक्षा मंत्रालय की सचिव की ओर से बताया गया है कि ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के अनुसार 13 से 15 साल के लगभग 8.5 फीसदी स्कूली छात्र किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। जो उनको नशीले पदार्थों के सेवन की ओर ले जाने का एक माध्यम बनता है।

अभी 100 मीटर के दायरे में लागू है प्रतिबंध

प्रदेश में अभी स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में शराब व तंबाकू की बिक्री पर रोक है। ऐसा करने पर जुर्माने का प्रावधान है। यह प्रतिबंध तंबाकू नियंत्रण कानून के तहत है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अनुसार 100 मीटर के दायरे में एक पीली पट्टी खींचकर इसे प्रभावी बनाया जाता है। साथ ही तंबाकू-मुक्त शिक्षण संस्थान बोर्ड भी लगाना है।

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' से बदल रही खेती की तस्वीर, सूक्ष्म सिंचाई से किसानों की आय में हो रहा इजाफा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खेती-किसानी अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों की ओर तेजी से अग्रसर हो रही है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत संचालित 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' अभियान राज्य में जल संरक्षण, लागत में कमी और उत्पादन बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, विशेषकर ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली, किसानों की खेती को अधिक लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।उद्यान विभाग के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य पानी की प्रत्येक बूंद का अधिकतम और सटीक उपयोग सुनिश्चित करना है। पहले जहां अधिक पानी को अच्छी फसल का आधार माना जाता था, वहीं अब ड्रिप सिंचाई तकनीक ने इस सोच को बदल दिया है। प्रदेश में गन्ना और बागवानी जैसी नकदी फसलों में 25 से 50 प्रतिशत तक पानी की बचत दर्ज की जा रही है। राज्य में 82 हजार से अधिक किसान ड्रिप तकनीक को अपना चुके हैं। लघु एवं सीमांत किसानों को ड्रिप सिस्टम लगाने के लिए 90 प्रतिशत तक अनुदान भी दिया जा रहा है, जिससे आधुनिक तकनीक आम किसानों तक पहुंच रही है।योजना के अंतर्गत 'फर्टीगेशन' तकनीक भी किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है, जिसमें पानी के साथ खाद सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचाई जाती है। इससे उर्वरक की बर्बादी रुकती है और उत्पादन में 30 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि होने की संभावना रहती है। गन्ना विभाग भी इस तकनीक का उपयोग 73 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में कर रहा है।इस योजना का सकारात्मक प्रभाव बस्ती जनपद के हरैया विकासखंड के ग्राम कसैला निवासी किसान विजय प्रकाश शुक्ला की सफलता से देखा जा सकता है। सीमित संसाधनों वाले कृषक परिवार से आने वाले विजय प्रकाश पहले पारंपरिक खेती करते थे, जहां अधिक सिंचाई, बिजली और डीजल की लागत के बावजूद पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता था।

गंगा एक्सप्रेस-वे बना विकास की नई धारा, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देगा नई रफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, जो कभी विशाल जनसंख्या और सीमित संसाधनों के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता दिखाई देता था, आज आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से नई पहचान बना रहा है। इसी परिवर्तनकारी यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव बनकर उभरा है गंगा एक्सप्रेस-वे, जिसे प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास की नई धुरी माना जा रहा है।29 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई से 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य की नई दिशा का संकेत माना जा रहा है। यह परियोजना पश्चिमी, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश को एक मजबूत आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने में जोड़ने का कार्य करेगी।गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत 12 प्रमुख जनपदों को जोड़ता है। इससे मेरठ से प्रयागराज की यात्रा, जो पहले लगभग 11 घंटे में पूरी होती थी, अब करीब 6 घंटे में पूरी हो सकेगी। साथ ही ईंधन की खपत में लगभग 30 प्रतिशत तक कमी आने का अनुमान है।प्रदेश सरकार के अनुसार, एक्सप्रेस-वे के किनारे 11 औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, एमएसएमई, हैंडलूम और लेदर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। मेरठ के खेल उत्पाद, उन्नाव का लेदर उद्योग, प्रतापगढ़ का आंवला और हरदोई का हैंडलूम उद्योग इससे विशेष रूप से लाभान्वित हो सकते हैं।कृषि क्षेत्र में भी इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते किसान कम समय में अपने उत्पाद बड़े बाजारों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। साथ ही कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।प्रदेश सरकार गंगा एक्सप्रेस-वे को उत्तर प्रदेश की "वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी" के लक्ष्य की दिशा में अहम कदम मान रही है। सरकार का दावा है कि बेहतर कनेक्टिविटी, निवेश और औद्योगिक विस्तार प्रदेश को आर्थिक विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेस-वे को प्रदेश की अर्थव्यवस्था की "रीढ़" बताया है।

ऊर्जा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य, हरित ऊर्जा हब बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश : ए.के. शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जो क्षेत्र कभी उत्तर प्रदेश की कमजोरी माना जाता था, वही आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध देश का ऊर्जा हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति बिजली खपत 489 यूनिट थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 518 यूनिट और अब 630 यूनिट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में पीक डिमांड बिजली आपूर्ति में नंबर-1 राज्य है तथा आरडीएसएस (RDSS) और ग्रीन कॉरिडोर जैसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।ए.के. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2012-17 के दौरान प्रदेश की औसत पीक डिमांड लगभग 13 हजार मेगावाट थी, जबकि पिछले चार वर्षों में यह बढ़कर 30 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष प्रदेश की वास्तविक पीक डिमांड 31,468 मेगावाट रही तथा इस वर्ष अप्रैल में 29,475 मेगावाट की पीक डिमांड की सफलतापूर्वक आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से उत्तर प्रदेश देश में पीक बिजली आपूर्ति में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में 1.80 करोड़ बिजली उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर 3.70 करोड़ हो गए हैं। पिछले चार वर्षों में लगभग 50 लाख नए बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। साथ ही, 1.75 लाख अतिरिक्त मजरों का विद्युतीकरण किया गया है। प्रदेश की तापीय विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2017 के 5,160 मेगावाट से बढ़कर 9,120 मेगावाट हो चुकी है और जल्द ही 660 मेगावाट की घाटमपुर परियोजना भी शुरू होने जा रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया गया है। बड़े सबस्टेशनों की क्षमता 39 हजार एमवीए से बढ़कर दो लाख एमवीए तक पहुंच गई है। पिछले चार वर्षों में 30 लाख जर्जर बिजली पोल बदले गए हैं, 1.65 लाख किलोमीटर से अधिक पुराने तारों को एबी केबल से प्रतिस्थापित किया गया है तथा 132 केवी और 33 केवी के कई नए सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं।कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन उपलब्ध कराने में तेजी आई है और आज गांवों में न्यूनतम 18 से 20 घंटे तथा शहरों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां पिछले छह वर्षों से बिजली दरों में वृद्धि नहीं की गई है। किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है तथा बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को लागत से कम कीमत पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश देश में प्रतिदिन सबसे अधिक इंस्टॉलेशन करने वाला राज्य बन गया है। अप्रैल 2026 में प्रदेश इस योजना में देश में पहले स्थान पर रहा, जबकि लखनऊ शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा है। प्रदेश में चार लाख से अधिक सोलर इंस्टॉलेशन हो चुके हैं और लगभग 1400 मेगावाट उत्पादन क्षमता विकसित की जा चुकी है।

17 मंडल मुख्यालयों में प्रवक्ता संवर्ग परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 89 हजार से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के लिए आयोजित लिखित परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 17 मंडल मुख्यालयों में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रथम और द्वितीय पाली में कुल 9 विषयों की परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में आयोजित की गई।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि कुल 18 विषयों की लिखित परीक्षा के क्रम में शनिवार को प्रथम पाली में पूर्वाह्न 9:30 बजे से 11:30 बजे तक 278 परीक्षा केंद्रों पर भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, इतिहास एवं शिक्षाशास्त्र विषयों की परीक्षा आयोजित की गई। वहीं, द्वितीय पाली में अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे तक 269 परीक्षा केंद्रों पर अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा संपन्न हुई।उन्होंने बताया कि परीक्षा की पारदर्शिता और सुचिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग मुख्यालय में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की गई। आयोग के सदस्य, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की मौजूदगी में एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतत नजर रखी गई।डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रदेश के सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, नकलविहीन, सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन में जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद मुख्यालय पहुंचे अजय राय, कार्यकर्ताओं से बोले- विधानसभा चुनाव में डटें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद शनिवार को प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और स्वास्थ्य लाभ की कामना की। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को विधानसभा चुनाव में डटने का आह्वान किया। पिछले सप्ताह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें राजधानी के कार्पोरेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पार्टी नेताओं ने उनके स्वास्थ्य के लिए मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारा में कामना की। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह शनिवार को हजरतगंज स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पहुंचे। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। यहां से वह प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलमाला देकर स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सभी के आशीर्वाद और कामना से वह पूरी तरह ठीक हैं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार तैयारी पर चर्चा की। विभिन्न जिलों से आए जिलाध्यक्षों को पूरी शिद्दत के साथ चुनाव की तैयारी में लगने का आह्वान किया।

एयरपोर्ट पर 14.87 करोड़ रुपये का हाइड्रोपोनिक वीड बरामद, तीन गिरफ्तार

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात एयर इंटेलिजेंस यूनिट और एयर कस्टम्स की टीम ने 14.87 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया। यह कार्रवाई बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे तीन यात्रियों के खिलाफ की गई। अधिकारियों को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रात 10:35 बजे आने वाली एयर एशिया की उड़ान से अवैध मादक पदार्थ लाया जा रहा है। सूचना पर टीम एयरपोर्ट पर मुस्तैद हो गई। बैंकॉक से आए तीन यात्री संदिग्ध लगे, जिनकी ग्रीन चैनल पर जांच की गई। तलाशी के दौरान उनके बैगेज से पारदर्शी वैक्यूम-पैक पाउच मिले। इनमें कुल 14.872 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) पाया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 14.87 करोड़ रुपये बताई गई है। अधिकारियों ने तीनों आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झील किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका ; जांच में जुटी पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना बिजनौर क्षेत्र के ग्राम अशरफ नगर के पास झील किनारे एक खाली प्लॉट में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस हत्या की आशंका के साथ मामले की जांच में जुट गई है।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे थाना बिजनौर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अशरफ नगर के बाहर झील के किनारे स्थित एक खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर मिले शव की पहचान सूरज गौतम पुत्र रमेश गौतम निवासी ग्राम अशरफ नगर, थाना बिजनौर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, सूरज गौतम पीजीआई अस्पताल में संविदा पर सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था और अविवाहित था। शव पर प्रथम दृष्टया चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर ने मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मृतक के परिजनों से बातचीत कर घटना के निष्पक्ष और शीघ्र खुलासे का आश्वासन दियापुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलित कराए हैं। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस का कहना है कि परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

महाराणा प्रताप जयंती पर लखनऊ में श्रद्धा और सम्मान का संगम

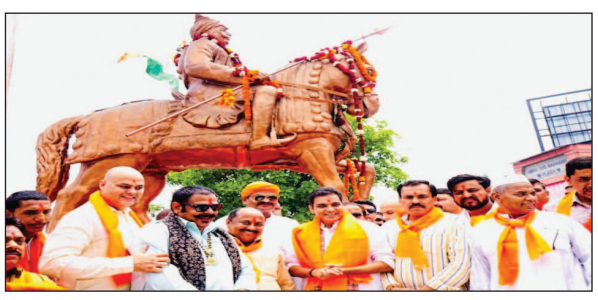

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हुसैनगंज स्थित महाराणा प्रताप चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में क्षत्रिय संगठनों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकत्र होकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया।कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के प्रदेश संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनका शौर्य और बलिदान आज भी समाज को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता हैकार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह बिष्ट, नोएडा विधायक पंकज सिंह, सदस्य विधान परिषद संतोष सिंह, गौरीगंज विधायक राकेश सिंह, गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू, महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवशरण सिंह गहरवार तथा पूर्व डीजीपी यशपाल सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, शौर्य फाउंडेशन, अखंड राष्ट्रवादी पार्टी, करणी सेना, भारतीय क्षत्रिय समाज, श्रीराम सेवा समिति, राजपूताना महासभा, राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा, अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद तथा उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति सहित अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उपभोक्ता मामलों के निस्तारण को मिली गति

» 12.64 करोड़ रुपये से अधिक का समाधान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग उत्तर प्रदेश तथा प्रदेश के सभी जिला उपभोक्ता आयोगों में शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं से जुड़े मामलों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई।राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य उपभोक्ता आयोग में कुल 27 मामले सूचीबद्ध किए गए थे, जिनमें से 16 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 1 करोड़ 43 लाख 4 हजार 702 रुपये की धनराशि का समाधान कराया गया।हीं, प्रदेश के समस्त जिला उपभोक्ता आयोगों में कुल 803 मामले सूचीबद्ध हुए, जिनमें से 410 मामलों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 12 करोड़ 64 लाख 9 हजार 209 रुपये से अधिक की धनराशि का समाधान कराया गया।राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान जिला उपभोक्ता आयोग बस्ती ने सर्वाधिक 39 मामलों का निस्तारण कर प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं, जिला उपभोक्ता आयोग गौतम बुद्ध नगर ने सर्वाधिक 2 करोड़ 92 लाख 96 हजार 712 रुपये की धनराशि का समाधान कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की।आयोग के अनुसार, राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने और लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया अधिक सरल और सुलभ बन सके।

25 हजार का इनामी गैंग लीडर गिरफ्तार, लंबे समय से चल रहा था फरार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना चौक और सर्विलांस सेल पश्चिमी की संयुक्त पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी गैंग लीडर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट व फरारी उद्घोषणा जारी की गई थी।पुलिस के अनुसार, थाना वजीरगंज में पंजीकृत मुकदमा संख्या 262/2025 में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत विवेचना की जा रही थी। मामले में गैंग लीडर राजीव श्रीवास्तव निवासी गौरभीट चौराहा, फैजुल्लागंज, थाना मड़ियांव, लखनऊ काफी समय से फरार था। न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी न तो गिरफ्तार हुआ और न ही अदालत में पेश हुआ।आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी द्वारा उस पर 25 हजार रुपये का नकद इनाम घोषित किया गया था। इसके बाद थाना चौक और सर्विलांस सेल पश्चिमी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की।

पुलिस ने 8 मई 2026 को आरोपी राजीव श्रीवास्तव (45) को थाना क्षेत्र सुशांत गोल्फ सिटी स्थित स्काई लाइन प्लाजा गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार गैंग लीडर के खिलाफ लखनऊ समेत अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विधानसभा चुनाव परिणाम: स्पष्ट जनादेश, नई सरकारों की होगी कड़ी अग्निपरीक्षा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आ चुके हैं। नई सरकारों के गठन की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी के ये विधानसभा चुनाव परिणाम कई स्पष्ट संकेत देने वाले हैं। बंगाल, असम, और पुदुचेरी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा व राजग गठबंध को दो तिहाई बहुमत के साथ चुना वहीं तमिलनाडु और केरल में भी सत्ता बदल गई। बंगाल, असम और पुदुचेरी में विकास, कल्याणकारी योजनाओं व हिंदुत्व का कमाल रहा। असम में कल्याणकारी योजनाओं के सहारे भाजपा जहां महिलाओं और युवाओं को साधने में सफल रही वहीं मुख्यंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ मुहिम छेड़कर नस्ल, क्षेत्र और भाषा में बनते हिंदुओं को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। असम और बंगाल की जनता को भाजपा यह भरोसा दिलाने में सफल रही कि केवल भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से मुक्ति दिला सकती है।

बंगाल और असम के बाद सबसे अधिक चर्चा तमिलनाडु को लेकर हो रही है। तमिलनाडु के चुनाव परिणामों ने सभी को हैरान कर दिया है। एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक का मिथक टूट गया है। फिल्म स्टार विजय की झोली वोटों से भरी है। केरलम में पराजय के बाद देश भर से वामपंथी सरकारों का अंत हो चुका है तथापि वह अपना राजनैतिक और वैचारिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए दो विधायकों के बल पर तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की नई सरकार मे घुस रही है। सभी राज्य विधानसभाओं में भाजपा का खाता खुल चुका है। पहली बार केरलम में भाजपा के तीन व तमिलनाडु में एक विधायक जीतने में सफल रहे हैं।

तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार- तमिलनाडु की जनता द्रविड़ राजनीति से हताश और निराश हो चुकी थी। कभी द्रमुक और कभी अन्ना द्रमुक राज्य इनके बीच में झूलता रहता था। तमिल राजनीति में फिल्मी कलाकारों की अहम भूमिका रही है एम. जी. रामचंद्रन से लेकर करुणानिधि और जयललिता जैसे सितारों ने वहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाई और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे।

तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था। एक्टर थलपति विजय की विजय में मुख्य भूमिका उनके चुनावी वायदों ने की है जो अधिकांशतः मुफ्त की रेवड़ी वाले हैं। विवाह के लिए महिलाओं को 22 कैरेट का आठ ग्राम सोना देने से लेकर 60 सल से कम आयु की महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता प्रति परिवार छह फ्री सिलेंडर देने का वादा काम कर गया। गरीब दुल्हनों के लिए रेशमी साड़ी और महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपए तक के बयाज मुक्त ऋण का आश्वासन भी विजय ने दिया है। थलपति विजय ने वैसे ही कई लोक लुभावन वायदे किये है जैसे कभी आप नेता अरविंद केजरीवाल किया करते थे। यह थलपति विजय तमिलनाडु के केजरीवाल सिद्ध हो सकते हैं।

ईसाई पिता ओर हिंदू मां की संतान विजय ने अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार करने में द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को जोड़ा है। इनकी पार्टी तमिलगा वेटी कझागम की स्थापना फरवरी 2024 में हुई, जो तमिलनाडु और पुदुचेरी तक फैली हुई है। लोग सोच रहे हैं कि विजय की आखिर इतनी बड़ी विजय कैसे हो गई– विजय लम्बे समय से कई घरों के चूल्हों के ईंधन, बेटियों की पढ़ाई ओर बहनों की शादी का खर्च लगातार उठा रहे थे। उनके वोटबैक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी महिलाओं और युवाओं की रही है। वह अपनी फिल्मों में गरीबों के मसीहा के तौर पर पेश किए जाते थे जिसका परिणाम अब सबके सामने है। विजय की चुनावी जनसभाओं में अभूवपूर्व भीड़ उमड़ रही थी किंतु कोई राजनैतिक विश्लेषक यह मानकर नहीं चल रहा था कि वह सरकार बनाने तक पहुंच जाएंगे।

तमिलनाडु में यदि कोई सबसे बड़ा परजीवी दल साबित हुआ है तो वह कांग्रेस है क्य उसने हर बार की तरह अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिए एक और क्षेत्रीय दल की सरकार में गठबंधन के बहाने सेंधमारी कर ली है। जो दल कांग्रेस के साथ गए व कांग्रेस जिन दलों के साथ गई उन दलों का क्या हाल हो रहा है सभी को पता है। वैसे अभी थलपति विजय का शपथ ग्रहण समारोह भी ग्रहण ग्रस्त लग रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर: संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया

दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी।

लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं है; यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थीं— इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु-क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा।

इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित किया— इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल-प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गई—ये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। ऑपरेशन सिंदूर इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था।

भारत की बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं है; यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य-निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित किया—समन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक। नागरिक-सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं था; यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकों—निगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तक—ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय-निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर-एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा। अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाए—सटीक, आवश्यक और समानुपाती।

दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं।

इस झूठे प्रचार का स्पष्टता और आत्मविश्वास से सामना करना और विरोध करना आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय आक्रामकता नहीं थी, बल्कि यह स्पष्ट उकसावे पर संतुलित प्रतिक्रिया थी। उद्देश्यों में सटीकता थी, लक्ष्य वैध थे, और क्रियान्वयन अनुशासित था। भारत की कार्रवाई ने अनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांतों का पालन किया; जो संयम के विशेष लक्षण हैं। भारत ने पूरी प्रक्रिया में सूचना की सत्यनिष्ठा बनाए रखी। पारदर्शिता बनाए रखकर और विश्वसनीय संचार चैनलों का उपयोग करके, भारत ने आख्यान को तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया। ऑपरेशन सिन्दूर से कई सबक सामने आये हैं, जो भविष्य के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सबसे पहले, राजनीतिक इच्छाशक्ति की केंद्रीय भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। रणनीतिक अस्पष्टता अक्सर विरोधियों का हौसला बढ़ाती है; स्पष्टता उन्हें हतोत्साहित करती है। दूसरा, बहु-क्षेत्रीय एकीकरण का विकास लगातार जारी रहना चाहिए। बढ़त बनाए रखने के लिए साइबर, अंतरिक्ष, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण होगा। तीसरा, नागरिक-सैन्य समन्वय को और अधिक संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए, ताकि राष्ट्रीय शक्ति का समन्वित तरीके से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। एक अन्य महत्वपूर्ण सबक सूचना युद्ध के क्षेत्र में निहित है। धारणा की लड़ाई सतत और सीमाहीन होती है। भारत को गलत जानकारी का पता लगाने, उसका मुकाबला करने और पूर्व-कार्रवाई करने की अपनी क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए। त्वरित और विश्वसनीय संचार के लिए इसमें केवल तकनीकी उपकरण ही नहीं, बल्कि संस्थागत तंत्र भी शामिल हैं। आख्यान को जीतना रणनीतिक सफलता को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। ऑपरेशन सिंदूर रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता के महत्व को भी सुदृढ़ करता है। स्वदेशी प्रणालियों ने अपनी योग्यता साबित की, जिससे बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम हुई और संचालन से जुड़ी स्वायत्तता बढ़ी। अनुसंधान, विकास और नवाचार में निरंतर निवेश के माध्यम से इस गति को बनाए रखा जाना चाहिए। इस प्रयास में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच तालमेल महत्वपूर्ण होगा। अंततः, यह अभियान अस्थिर सुरक्षा वातावरण में हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। निवारण एक स्थिर अवधारणा नहीं है; इसे प्रदर्शित क्षमता और संकल्प के माध्यम से मजबूत किया जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर ने एक मानक स्थापित किया है, लेकिन इस स्थिति को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण, और सैद्धांतिक विकास के माध्यम से सतत प्रयास की जरूरत है।

टिप्पणी

भारत उदय के कथानक को फिर झटका

प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार है। साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है।

सकल घरेलू उत्पाद के लिहाज से भारत उदय के कथानक को फिर झटका लगा है। चौथे स्थान पर पहुंचने के बाद भारत अब फिसल कर छठे नंबर पर जा गिरा है। जब भारत ने जीडीपी मापने की नई शृंखला अपनाई, तो उसके तहत हुई गणना में वह जापान से पिछड़ कर पांचवें नंबर पर दर्ज हुआ। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 2025 के आंकड़ों के मुताबिक वह ब्रिटेन से भी नीचे हो गया है। ऐसा रुपये की कीमत में भारी गिरावट के कारण हुआ है। जीडीपी का आकलन देशों की अपनी मुद्रा में होता है। फिर तत्कालीन विनिमय दर के आधार पर अमेरिकी डॉलर में उसका मूल्य आंका जाता है।

2024 के अंत में एक डॉलर की कीमत 84.6 रुपये थी, जो 2025 के अंत में 88.5 रुपये हो गई। इस तरह डॉलर में भारत के जीडीपी का मूल्य घट गया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 के अंत में भारत की जीडीपी 3.92 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि ब्रिटेन की चार ट्रिलियन और जापान की 4.44 ट्रिलियन डॉलर थी। तीसरे नंबर स्थित जर्मनी की अर्थव्यवस्था 4.7 ट्रिलियन रही, जबकि 19.6 ट्रिलियन के साथ चीन दूसरे और 30.8 ट्रिलियन डॉलर के साथ अमेरिका पहले नंबर पर रहा। डॉलर की आज की कीमत पर गणना की जाए, तो भारत के जीडीपी का मूल्य संभवतः और भी कम होगा। यानी पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और तीसरे नंबर पर पहुंचने की दौड़ फिलहाल उलटी दिशा में मुड़ गई है।

बहरहाल, ये दौड़ बेमतलब है। ऐसे आंकड़ों के आधार पर बनाए गए कथानक असल में अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमियों पर परदा डालने के लिए तैयार किए गए हैं। आर्थिक प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार ही हो सकता है। लोगों को साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है। असल में प्रति व्यक्ति जीडीपी का पैमाना भी नाकाफी है, क्योंकि इस औसत में आर्थिक विषमता की वास्तविक स्थिति की झलक नहीं मिलती। वैसे इस कसौटी पर भारत दुनिया 140वें नंबर पर है।

ब्लॉग

हमला, घेराबंदी, जीत: ऑपरेशन सिंदूर और सिद्धांत, जिसे भारत ने 88 घंटों में निर्मित किया

एयर मार्शल अनिल चोपड़ा

6-7 मई 2025 की रात को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया — यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 बेकसूर लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह महज़ एक सैन्य हमला भर नहीं था, बल्कि यह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन थाः एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक दृढ़ इच्छाशक्ति और पूरे राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी — और जीत हासिल की — जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था। चीन ने खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल-15 जैसी दृष्टि-सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो-सामान भी उपलब्ध कराए। भारत ने इन दोनों की संयुक्त ताकत को परास्त किया।

आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता — रूस-यूक्रेन युद्ध के पाँच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के युद्ध क्षेत्र तक — यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती। ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमज़ोर करते हैं, जनता के मनोबल को गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। इन क्षेत्रों में अमेरिका का पहले ही 27.68 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च हो चुका है और इसका कोई निश्चित अंत भी नज़र नहीं आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने सोच-समझकर इस जाल से खुद को बचाया; उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएँ कर पाती हैं: पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना।

भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट थाः आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना, दुश्मन को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना — जिसमें किसी भी तरफ़ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर नौ लक्ष्य निर्धारित किये; इनमें से प्रत्येक को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हिज़बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इकोसिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था। पहला हमला सिर्फ़ 23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया, इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया — यह युद्धविराम बातचीत से नहीं, बल्कि दुश्मन को और भी ज़्यादा और बड़ा नुकसान पहुंचाने की प्रदर्शित क्षमता के कारण हुआ।

यह सिद्धांत — उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना — नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में, इसका स्टाफ कॉलेजों में गहन अध्ययन किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के भौगोलिक दायरे ने पिछली सभी सीमाओं को तोड़ दिया। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ़ पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफ़ी अंदर तक पहुँच गया। सियालकोट और बहावलपुर में मौजूद ठिकानों पर—जिनमें से बहावलपुर भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर है—बेहद सटीक हमले किए गए। बाद में, रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस और सरगोधा में मौजूद परमाणु-वाहक बेस जैसे अहम सैन्य ठिकानों को भी भारत की प्रभावी मारक क्षमता के दायरे में ले आया गया। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और वहाँ के सेना मुख्यालय रावलपिंडी के एकदम नजदीक है; जबकि सरगोधा में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हवाई मार्ग से पहुँचाने वाले साजो-सामान मौजूद हैं। संदेश स्पष्ट थाः कोई भी ठिकाना हमारी पहुँच से बाहर नहीं है।

100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें कुछ बड़े आतंकवादी भी थेः आईसी - 814 अपहरण से जुड़ा यूसुफ़ अज़हर, अब्दुल मलिक रऊफ़ और पुलवामा हमले से जुड़ा मुदस्सिर अहमद। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को बहावलपुर स्थित मुख्यालय में मार गिराया गया। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान-व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया।

शायद सबसे अहम बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल की पोल खोल दी। दशकों तक, पाकिस्तान की परमाणु छत्रछाया का इस्तेमाल राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को छूट देने के लिए किया जाता रहा — इसके पीछे एक अनकहा अनुमान यह था कि भारत कभी भी तनाव बढ़ाने का जोखिम नहीं उठाएगा। भारत ने इस अनुमान को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। भारत की गहरे और निर्णायक रूप से हमला करने की तत्परता — जिसमें पाकिस्तान के परमाणु हवाई बेड़े वाले ठिकाने पर हमला भी शामिल था — ने साबित कर दिया कि समीकरण अब हमेशा के लिए बदल चुका है। जिस दिन भारत ने सरगोधा पर हमला किया, दक्षिण एशिया में प्रतिरोध का भूगोल हमेशा के लिए बदल गया।

अधिकांश युद्धों में, नुकसान एक जगह तक सीमित नहीं रहता। यह सीमाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आम नागरिकों के जीवन तक फैल जाता है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस प्रारूप को निर्णायक रूप से तोड़ दिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ढाँचे को गंभीर और लक्षित नुकसान पहुँचाया, जबकि अपने देश में इसका असर लगभग शून्य रहा — परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच, आधुनिक इतिहास में यह असंतुलित प्रभाव का बेजोड़ उदाहरण है।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पाकिस्तान के चीन से मिले वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा दिया और जाम कर दिया। राफेल जेट, स्कैल्प क्रूज़ मिसाइलों और हैमर सटीकता-निर्देशित बमों का इस्तेमाल करते हुए, आईएएफ ने सिर्फ़ 23 मिनट में अपनी शुरुआती हमलावर कार्रवाई पूरी कर ली। 9-10 मई को, जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला किया, तो भारत ने एक ही समन्वित ऑपरेशन में पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों पर हमला किया — इतिहास में यह पहली बार था, जब किसी देश ने एक ही समय पर किसी परमाणु-सशस्त्र देश के खिलाफ़ ऐसा किया हो। इस हमले में पाकिस्तान वायु सेना की लगभग 20 प्रतिशत परिसंपत्ति नष्ट हो गई। भोलारी सैन्य हवाई अड्डे पर भारी जान-माल का नुकसान हुआ; जिसमें अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान, हैंगर में खड़े बेहतरीन एफ-16 लड़ाकू विमान और रनवे पर मौजूद एईडब्लूएंडसी विमान भी नष्ट हो गए। प्रतिरक्षा के मोर्चे पर, भारत की बहु-स्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली — जिसे स्वदेशी आईएसीसीएस और आकाशतीर कमांड-एंड-कंट्रोल प्रणाली, एस-400, आकाश और एमआरएसएएम बैटरियों का समर्थन प्राप्त है — ने पाकिस्तान से आने वाले सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को लगभग 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने चीन में बने ड्रोन, तुर्की के बायराक्तार यूसीएवी, क्रूज़ मिसाइलें और यहाँ तक कि दिल्ली को निशाना बनाकर एक फतह-द्वितीय रॉकेट भी तैनात किया था। इन सभी को रोक दिया गया। भारत का आसमान पूरी तरह सुरक्षित रहा। भारत ने एस-400 मिसाइल के ज़रिए अब तक की सबसे लंबी दूरी पर निशाना साधने का कीर्तिमान भी बनाया; लगभग 314 किलोमीटर की दूरी पर हवा में मौजूद एक पाकिस्तानी एईडब्लूएंडसी विमान को नष्ट कर दिया। यह असंतुलन — एक तरफ़ भारी तबाही, तो दूसरी तरफ़ पूरी तरह नियंत्रण — अब इस बात का नया पैमाना बन गया है कि एक अच्छी तरह से तैयार, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर लोकतंत्र क्या हासिल कर सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता 'जय के सिद्धांत पर आधारित थीः समन्वय, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण। तीनों सेनाओं ने एक-दूसरे के साथ बेहतरीन तालमेल बिठाकर काम किया। नौसेना के कैरियर बैटल ग्रुप ने अरब सागर में अपना दबदबा बनाए रखा, जिससे पाकिस्तान के नौसेना विकल्प पूरी तरह से बंद हो गए और दक्षिण की ओर किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोक दिया गया। वायुसेना ने पूरे पाकिस्तान में सटीक और गंभीर हमले किए। थल सेना ने स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की मदद से आने वाले खतरों को बेअसर कर दिया और बेहद सटीक तरीके से घूमकर हमला करने वाले हथियार का इस्तेमाल किया। 2019 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद के गठन से और भी मज़बूत हुई इस संयुक्त व्यवस्था ने, ऑपरेशन के हर चरण में निर्बाध काम किया।

स्वदेशी पहलू भी उतना ही निर्णायक था। भारत का रक्षा उत्पादन 2014-15 के ?46,429 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में रिकॉर्ड ?1.54 लाख करोड़ हो गया है, जिसमें अब 65 प्रतिशत से अधिक उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित किए जाते हैं। इस बदलाव — जिसे उदार एफडीआई, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं, समर्पित रक्षा गलियारों और आईडेक्स नवाचार रूपरेखा से गति मिली है — का अर्थ है कि जब देश को कम समय में उन्नत क्षमताओं की आवश्यकता हुई, तो उसके पास बाहरी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बिना निर्भर हुए कार्य करने की संप्रभु शक्ति मौजूद थी। ब्रह्मोस क्रूज़ मिसाइल, सतह-से-हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल, घूमकर हमला करने वाली स्काईस्ट्राइकर और डीआरडीओ के डी-4 एंटी-ड्रोन प्लेटफ़ॉर्म जैसी प्रणालियों ने सशस्त्र बलों को सभी क्षेत्रों में सटीकता, सुरक्षा और वर्चस्व प्रदान किया। पाकिस्तान द्वारा दागी गई, लेकिन अपने लक्ष्य को भेदने में असफल रही तथा पूरी तरह से सुरक्षित रूप में बरामद की गयी चीनी पीएल-15 मिसाइल, चीनी उपकरणों की विज्ञापित क्षमताओं और युद्ध-क्षेत्र की वास्तविकताओं के बीच के अंतर का प्रतीक बन गई। इस मिसाइल का गहन तकनीकी विश्लेषण किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के लिए निर्मित से भारत द्वारा निर्मित की ओर एक निर्णायक बदलाव को रेखांकित किया।

ट्रैक्टर से क्रासिंग का बूम टूटा, तीन घण्टे जाम

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के नाथुपुर में स्थित रेलवे क्रासिंग का बूम टूटने से लगभग तीन घण्टे तक यातायात प्रभावित रहा।मौके पर जाम की स्थिति बनी रही।रेलवे पुलिस के जवानों ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को किसी प्रकार दूसरे रास्ते से पास कराया।इस मार्ग पर गेट नम्बर 3 वी को दिन में लगभग ढाई बजे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया।ट्रैक्टर के टक्कर से बूम टूट कर सड़क पर टेढ़ा होकर गिरा रहा।जिसके चलते क्रासिंग पर जाम की स्थिति बन गई।चूंकि इस समय जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनने के कारण हजारों वाहनों का इसी मार्ग से आवागमन हो रहा है।मौके पर जाम लगता देखकर गेटमैन ने घटना की जानकारी स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को दिया।उन्होंने आरपीएफ चैकी इंचार्ज को आवागमन का संचालन व्यवस्था सही करने को कहा।उसके बाद आरपीएफ के सिपाहियों ने वाहनों को दूसरे रास्ते से निकलवाया।लगभग पौने तीन घण्टे बाद लगभग पांच बजें बूम बना।

एक करोड़ की संपत्ति के लालच में क्या हुई मोनिका की हत्या? चिता से शव उठाकर ले गई पुलिस, 3 महीने पहले ही हुई थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र स्थित घोड़ी बछेड़ा गांव में मोनिका नागर की संदिग्ध मौत से हड़कंप मचा हुआ है। महज तीन महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली 20 वर्षीय मोनिका अब संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि ससुराल पक्ष कथित तौर पर जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार करने पहुंच गया, लेकिन मायके पक्ष की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जलती चिता से शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना ने लोगों को चर्चित निक्की हत्याकांड की याद दिला दी है।

सेक्टर जू निवासी मोनिका नागर ने 16 फरवरी को घोड़ी बछेड़ा गांव के रहने वाले अनुज चौहान से परिवार की मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज की

थी। बताया जा रहा है कि दोनों परिवार शुरुआत में इस रिश्ते के विरोध में थे, लेकिन बाद में मान गए। दोनों परिवारों की पहले से पहचान थी क्योंकि दोनों के पिता ग्रेटर नोएडा में ऑटो चलाते हैं। हालांकि शादी के तीन महीने बाद ही यह रिश्ता दर्दनाक मोड़ पर पहुंच गया।

मृतका की मां के गंभीर आरोप

मृतका की मां रेनू नागर ने हत्या का आरोप लगाया है। रेनू के मुताबिक, मोनिका के नाम करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उस पर संपत्ति बेचकर पैसे लाने का दबाव बना रहा था। आरोप है कि मोनिका के इनकार करने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया गया और आखिरकार संपत्ति के लालच में उसकी हत्या कर दी गई।

परिजनों के मुताबिक, गुरुवार को मोनिका और उसके पति अनुज के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद मोनिका अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद जब दरवाजा खोला गया तो वह मृत अवस्था में मिली। इसके बाद ससुराल पक्ष शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गया। सूचना मिलने पर मायके पक्ष ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को बुलाया। जब पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए।

क्या बोले एसपी?

एसीपी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव का कुछ हिस्सा जल चुका था, लेकिन उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका की मां ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि 7 मई की दोपहर मोनिका ने फोन कर बताया था कि पति, सास-ससुर और अन्य लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह सामने आ सके। इस घटना के बाद दादरी और आसपास के इलाकों में भय और आक्रोश का माहौल है।

लोगों को याद आया निक्की हत्याकांड

मोनिका नागर की संदिग्ध मौत ने एक बार फिर साल 2025 में कासना गांव में हुए चर्चित निक्की हत्याकांड की यादें ताजा कर दी हैं। निक्की केस में भी नवविवाहिता की जलाकर हत्या किए जाने का आरोप उसके पति, सास-ससुर और जेठ पर लगा था। पुलिस जांच के बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। अब मोनिका नागर मामले में भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर जिस तरह कथित तौर पर जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किया जा रहा था, उसने लोगों के शक को और गहरा कर दिया है। घटना के बाद दादरी और आसपास के इलाकों में सनसनी का माहौल है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर एक नवविवाहिता की मौत के तुरंत बाद बिना पर्याप्त सूचना और जांच के अंतिम संस्कार की इतनी जल्दी क्यों की जा रही थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह सामने आ सके।

राजीव श्रीवास्तव बने लायन्स क्लब अध्यक्ष

जौनपुर। राजीव श्रीवास्तव लायन्स क्लब मेन के 42वें अध्यक्ष चुने गये। चुनावी सभा संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। जिसमें अगले सत्र के लिए नये पदाधिकारियों का चयन सर्व सहमति से किया गया। चुनाव अधिकारी निवर्तमान अध्यक्ष संजय केडिया ने राजीव श्रीवास्तव को अध्यक्ष और रितेश गुप्ता को सचिव निर्वाचित होने की घोषणा किया। सदस्यों ने निर्वाचित पदाधिकारियों को फूल मालाओं से स्वागत करते हुए बधाई दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि मुझ पर इतना बड़ा विश्वास जताया है। यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। विशेषकर राष्ट्रीय कार्यक्रमों को प्राथमिकता दूंगा। जिससे समाज के जरुरतमंद लोगों की मदद हो सकें। डॉ क्षितिज शर्मा जीएटी एरिया लीडर ने नव निर्वाचित टीम को बधाई देते हुए बताया कि राजीव श्रीवास्तव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं उनके नेतृत्व में लायन्स क्लब जौनपुर को नई दिशा मिलेगी।

विद्यालयों के निरीक्षण में मिली तमाम खामियां

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा शुक्रवार को विभिन्न विकासखण्डों के विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। जहां तमाम खामियां मिली । निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, छात्र उपस्थिति, साफ-सफाई एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।प्राथमिक विद्यालय शीतला चैकिया, विकासखण्ड धर्मापुर के निरीक्षण के दौरान शिक्षामित्र के अतिरिक्त सभी शिक्षक उपस्थित पाए गए। प्रार्थना सभा तक मात्र 14 छात्र उपस्थित होने पर प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं विद्यालय परिसर एवं किचन की बेहतर साफ-सफाई के लिए रसोइया को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया। अनुपस्थित शिक्षामित्र का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया। प्राथमिक विद्यालय खानपुर अकबर, करंजाकला में विद्यालय परिसर अत्यंत गंदा मिला तथा जलभराव की समस्या के कारण छात्रों को आवागमन में कठिनाई हो रही थी। विद्यालय की टूटी चहारदीवारी एवं जल निकासी समस्या को गंभीरता से लेते हुए बीएसए ने तत्काल नगर पालिका प्रशासन से वार्ता की। मौके पर पहुंचे अधिशासी अभियंता एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि ने एक माह के भीतर विद्यालय परिसर में सुधार का आश्वासन दिया।प्राथमिक विद्यालय तरसांवा, विकासखण्ड शाहगंज में निरीक्षण के दौरान बच्चों को अव्यवस्थित ढंग से एमडीएम ग्रहण करते पाया गया। भोजन के समय कोई भी शिक्षक उपस्थित नहीं था, जिस पर बीएसए ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वयं बच्चों को बरामदे में टाट-पट्टी पर बैठाकर उनके साथ भोजन किया। एमडीएम की गुणवत्ता मानक के अनुरूप न मिलने पर प्रधानाध्यापक सहित समस्त स्टाफ का निरीक्षण तिथि का वेतन रोकते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

गाजियाबाद के एसी सर्विस सेंटर में भीषण आग... सिलेंडरों में धमाकों से दहला इलाका, बुजुर्ग की मौत, 10 बाइकें राख

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शनिवार तड़के एक एसी सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। हादसा पटेल नगर स्थित प्लॉट नंबर एफ-87 की तीन मंजिला इमारत में हुआ, जहां एसी रिपेयर और सर्विस का काम किया जाता था। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में इमारत धुएं और आग की लपटों से घिर गई। इस हादसे में 80 वर्षीय बुजुर्ग त्रिलोकी नाथ की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई वाहन जलकर राख हो गए।

जानकारी के मुताबिक आग शनिवार सुबह करीब 3:05 बजे लगी। शुरुआती आग के बाद इमारत के भीतर रखे एसी गैस सिलेंडर और कंप्रेसरों में लगातार धमाके होने लगे। तेज धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घनी आबादी वाले इलाके में आग फैलने का खतरा बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर

ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही गाजियाबाद फायर सर्विस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए करीब 8 दमकल वाहनों को राहत और बचाव कार्य में लगाया गया। दमकलकर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान पूरी इमारत को खंगाला गया, जहां भूतल पर 80 वर्षीय त्रिलोकी नाथ मृत अवस्था में मिले। माना जा रहा है कि आग और धुएं की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत हुई।

इस हादसे में 2 कारें और करीब 10 मोटरसाइकिलें भी जलकर राख हो गईं। आग की वजह से आसपास के मकानों में भी दहशत का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों के मुताबिक अगर समय रहते दमकल विभाग नहीं पहुंचता तो आग आसपास की इमारतों तक फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

कैसे लगी आग?

बताया जा रहा है कि सर्विस सेंटर का संचालन ओमकार तोमर नामक व्यक्ति द्वारा किया जाता था। पुलिस और फायर विभाग की टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट या गैस सिलेंडर से जुड़े तकनीकी कारणों की जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक वजह जांच के बाद ही साफ हो सकेगी।

महिलाओ को स्वास्थ का विशेष ध्यान देने की जरूरत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। शनिवार को मातृ दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज और मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान मे रामपुर ब्लॉक के सेहरा गांव के पटेल बस्ती में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया हुआ । कार्यक्रम में गांव के 150 से अधिक महिलाओं, किशोरी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की कार्यकर्ती व समूह सखी भी शामिल हुयी । कार्यक्रम में दिशा क्रिएशन के नवीन कुमार पांडे ने कहा की 10 मई को मातृ दिवस मई माह के दूसरे रविवार को अमेरिका की एना जर्विस द्वारा अपने माँ के याद मे मनाया जाता है जिसे मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य है की मातृ दिवस के महत्त्व के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा की सभी लोगों को अपने माँ का सम्मान करना चाहिए माँ का हमारे जीवन मे वहुत बड़ा महत्व है । एनआरएलएम के बैठक में स्वास्थ के मुद्दे के बारे मे सचेत होना जरूरी बताया । साथ ही अटल पेंसन और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना पर प्रकास डाले और बाल विकास परियोजना कार्यालय से मुख्य सेविका माया देवी ने माँ के त्याग और समर्पण पर चर्चा किया यह भी बातया की महिलाओ के स्वास्थ का विशेष ध्यान देना चाहिए महिलायें अपने परिवार और बच्चो के समर्पण पर इतना ध्यान देती है की अपने स्वास्थ का ध्यान नहीं दे पाती और वही माँ के लिए हमारे पास समय नहीं रहता इस लिए कम से कम एक दिन ऐसा हो की हम पूरा समय अपने माँ को दे ये बहुत जरुरी और उनके स्वास्थ, खान,पान पर हमारी जिम्मेदारी है की देख रेख करें । उमाशंकर, जयदेवी, पूजा भारती, रीता सिंह ने विचार व्यक्त किए। संचालन उमा शंकर व धन्यवाद ज्ञापन रीता सिंह ने किया।

युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा समर्थ पोर्टल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। आधुनिक शिक्षा, उत्कृष्ट संसाधनों और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालय परिसर एक बार फिर नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों के स्वागत को तैयार है। विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान, विधि, अभियांत्रिकी, फार्मेसी एवं व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध संकायों में संचालित पाठ्यक्रम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उज्ज्वल भविष्य का अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है। विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष कुल 56 विषयों एवं एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के

पाठ्यक्रम शामिल हैं। डिप्लोमा स्तर पर तीन विषय, स्नातक स्तर पर 31 विषय तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 25 विषय संचालित किए जाएंगे। स्नातक स्तर पर बीटेक के नौ, बीएससी के नौ, बीए के तीन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों में भी प्रवेश की सुविधा उपलब्ध रहेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश के लिए विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता एवं पूरी प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सभी आवश्यक सूचनाएं ऑनलाइन माध्यम से सुलभ होंगी, जिससे प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और सरल बन सके।विश्वविद्यालय परिसर के प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल 8 मई से प्रारंभ हो चुका है। अभ्यर्थी समय रहते ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते।

'सीवर नहीं ठीक कराया तो छत से कूद जाऊंगी...' कानपुर में महिला ने जमकर काटा बवाल, पहुंचे अधिकारी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। नगर निगम और जलकल विभाग की कथित लापरवाही से परेशान एक महिला ने ऐसा कदम उठा लिया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। विराटनगर में बीते आठ महीनों से सीवर जाम की समस्या से जूझ रही महिला शुक्रवार को अपने घर की दूसरी मंजिल की छत पर चढ़ गई और आत्महत्या की धमकी देने लगी। घंटों चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस के आश्वासन पर मामला शांत हो सका।

दरअसल, विराटनगर निवासी प्रतिभा पांडेय का आरोप है कि उनके मोहल्ले के करीब 50 घर बीते सितंबर महीने से सीवर चोक की समस्या झेल रहे हैं। गलियों और घरों के बाहर गंदा और बदबूदार पानी भरा रहता है, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। इतना ही नहीं, कई बार सीवर का दूषित पानी घरों के अंदर कमरों तक पहुंच जाता है। इससे इलाके में बीमारी फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है और स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो चुका है।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप

प्रतिभा पांडेय का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार नगर निगम और जलकल विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। उनका आरोप है कि संबंधित जूनियर इंजीनियर (JE) प्रदीप मौर्य से संपर्क करने पर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। उल्टा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। अधिकारियों की इसी बेरुखी और लापरवाही से तंग आकर उन्होंने यह कदम उठाने का फैसला किया। जैसे ही प्रतिभा अपने घर की छत पर चढ़ीं और कूदने की धमकी दी, पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। महिला के पति सुनील पांडेय और अन्य परिजनों ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर बुलाने और तुरंत काम शुरू कराने की मांग पर अड़ी रहीं।

मौके पर पहुंते अधिकारी

सूचना मिलने पर चकेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने काफी देर तक महिला से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। काफी समझाने-बुझाने के बाद प्रतिभा आखिरकार छत से नीचे उतरने को तैयार हुईं। मामला तूल पकड़ने के बाद जलकल विभाग भी हरकत में आ गया। जेई प्रदीप मौर्य ने कहा कि शनिवार से सीवर लाइन की सफाई का काम शुरू करा दिया जाएगा। हालांकि प्रतिभा पांडेय ने चेतावनी दी है कि अगर इस बार भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह सीधे लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगी।

ममता का ये भी रूप! मां का प्यार और वर्दी का फर्ज... दोनों निभा रहीं, सलाम इन महिला सिपाहियों को

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कहते हैं मां के कदमों में स्वर्ग होता है। एक मां अपने बच्चे को जन्म देने से लेकर उसकी परवरिश तक हर जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाती है, लेकिन जब यही मां नौकरीपेशा हो और उस पर वर्दी की जिम्मेदारी भी हो, तब उसका संघर्ष कई गुना बढ़ जाता है। मदर्ड डे पर आइए जानते हैं, ऐसी ही एक कहानी कानपुर के महिला थाने की, जहां महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी के साथ-साथ अपने बच्चों की परवरिश भी बखूबी कर रही हैं।

कानपुर महिला थाने में रोजाना एक ऐसा दृश्य देखने को मिलता है, जो मां की ममता और कर्तव्य की अनोखी मिशाल पेश करता है। यहां कई महिला पुलिसकर्मी ऐसी हैं, जिनके छोटे-छोटे बच्चे हैं। घर पर बच्चों को संभालने वाला कोई नहीं होने के कारण वह अपने बच्चों को

साथ लेकर थाने पहुंचती हैं। ड्यूटी के दौरान जब बच्चा रोता है तो मां उसे गोद में लेकर चुप कराती है और अगले ही पल अपनी जिम्मेदारी निभाने में जुट जाती है।

महिला पुलिसकर्मी नेहा के दो छोटे जुड़वा बच्चे हैं। वह बताती हैं कि घर पर बच्चों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, इसलिए उन्हें अपने बच्चों को साथ लाना पड़ता है। उनका कहना है कि महिलाएं हर परिस्थिति में खुद को मजबूत बना लेती हैं और ड्यूटी के साथ बच्चों की जिम्मेदारी भी संभाल लेती हैं।

ड्यूटी के साथ निभाती हैं मां का फर्ज

वहीं महिला पुलिसकर्मी दीक्षा का कहना है कि थाने के वरिष्ठ अधिकारी और साथी कर्मचारी काफी सहयोग करते हैं, जिससे काम और बच्चों की देखभाल दोनों आसान हो जाती है। थाने में कार्यरत आरती और आराधना भी अपने बच्चों को साथ लेकर ड्यूटी करती हैं और मां होने का फर्ज निभाते हुए पुलिस सेवा में पूरी निष्ठा से जुटी रहती हैं। एडीसीपी शिवा सिंह ने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के साथ बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग उनकी छुट्टियों और ड्यूटी को लेकर विशेष सहयोग करता है। उन्होंने कहा कि मां ही वह शक्ति है जो परिवार और नौकरी दोनों जिम्मेदारियां एक साथ संभाल सकती है।

महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खा नहीं स्वाकारी अधीनता

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जयंती पर राजपूत सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित मेधावी प्रतिभा सम्मान का आयोजन हुआ। राजपूत समाज के आईएएस, पीसीएस में चयनित 11 मेधावियों के साथ साथ यूपी बोर्ड में जनपद में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. महेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अदम्य साहस और बीरता के प्रतीक थे। उन्होंने घास की रोटी खाई लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं किया। वे देश के हर दिल में बसे है। उनके गौरव गाथा को दुनिया में लोग याद कर रहे है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने जिस भारत का सपना देखा था, जिस भारत की वे

कल्पना करते थे आज फिर से वो भारत खड़ा हो गया है। दुनियां के अंदर भारत का परचम फहर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि अदम्य साहस और बीरता के प्रतीक महाराणा प्रताप जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य के प्रयासों के लिए राजपूत समाज को आगे बढ़ाना चाहिए। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले इस महान योद्धा को युगों युगों तक याद किया जाएगा। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत किया। सलमान शेख की टीम ने गणेश वंदना के बाद महाराणा प्रताप जी के जीवन पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को रोमांचित कर दिया। राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने स्वागत भाषण के साथ समित के द्वारा समाज हित में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए महाराणा प्रताप पार्क के पास एक संग्रहालय हाल के निर्माण की बात कही।

क्या व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए?

व्यायाम करते समय पानी पीने की आदत को लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां हैं। कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम के दौरान पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है, जबकि कुछ इसे जरूरी मानते हैं। इस लेख में हम इन धारणाओं की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि व्यायाम करते समय पानी पीना चाहिए या नहीं, साथ ही इसके पीछे के कारणों पर भी चर्चा करेंगे।

व्यायाम करते समय पानी पीने का महत्व

व्यायाम करते समय पानी पीना बहुत जरूरी है। जब हम व्यायाम करते हैं, तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ जाता है और हम पसीना बहाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। पानी पीने से शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है और पसीने के कारण खोया हुआ पानी वापस मिलता है। इसके अलावा, यह शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

पाचन तंत्र पर असर

कुछ लोग मानते हैं कि व्यायाम करते समय पानी पीने से खाने-पचाने की प्रक्रिया पर बुरा असर पड़ता है। हालांकि, यह सही नहीं है। अगर आप हल्का या मध्यम व्यायाम कर रहे हैं, तो थोड़ी मात्रा में पानी पीना सुरक्षित होता है। इससे खाने-पचाने की प्रक्रिया पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। बल्कि यह आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है।

प्यास लगने पर ही पानी पिएं

प्यास लगने पर ही पानी पीना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप प्यास लगने से पहले ही पानी पी लें। व्यायाम करते समय शरीर को जब पानी की जरूरत होती है, तो उसे संकेत मिलते रहते हैं। अगर आपको प्यास लग रही है, तो थोड़ा-थोड़ा पानी पी लें। इससे आपका शरीर हाइड्रेटेड रहेगा और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकेंगे।

अत्यधिक पानी पीने से बचें

व्यायाम करते समय बहुत ज्यादा पानी पीना भी नुकसानदायक हो सकता है। इससे शरीर में जरूरी खनिजों का संतुलन बिगड़ सकता है, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। इसलिए व्यायाम करते समय संतुलित मात्रा में ही पानी पिएं। सामान्यतः व्यायाम करते समय हल्का या मध्यम मात्रा में पानी पीना पर्याप्त होता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और आप बेहतर तरीके से व्यायाम कर सकते हैं।

व्यक्तिगत जरूरतों पर ध्यान दें

हर व्यक्ति की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए अपनी शारीरिक स्थिति और जरूरतों के अनुसार ही पानी का सेवन करें। अगर आप अधिक पसीना बहाते हैं या अधिक मेहनती व्यायाम करते हैं, तो आपको अधिक मात्रा में पानी की जरूरत हो सकती है। इसके अलावा गर्म मौसम में भी अधिक पानी पीने की जरूरत होती है। इस प्रकार व्यायाम करते समय पानी पीने को लेकर फैली गलत धारणाओं को समझना जरूरी है, ताकि हम सही निर्णय ले सकें।

क्या गाजर खाने से रात में नजर होती है तेज? जानिए इस मिथक की सच्चाई

आंखों के स्वास्थ्य के लिए गाजर खाने की सलाह अक्सर दी जाती है। इसका कारण यह है कि इस सब्जी में विटामिन-ए होता है, जिसे आंखों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसलिए, यह मान्यता है कि गाजर खाने से रात में बेहतर नजर आता है। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वाकई गाजर खाने से आंखों की रोशनी पर कोई असर पड़ता है या नहीं।

गाजर और विटामिन-ए का संबंध

गाजर में बीटा-कैरोटीन नामक एक तत्व होता है, जो शरीर में विटामिन-ए में बदल जाता है। विटामिन-ए आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है और यह कम रोशनी में देखने की क्षमता को बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि केवल गाजर खाने से ही आपकी आंखों की रोशनी में सुधार होगा। इसके लिए संतुलित डाइट और अन्य पोषक तत्व भी जरूरी होते हैं।

रात में बेहतर नजर आने का भ्रम

यह सच है कि विटामिन-ए की कमी से रात में देखने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि केवल गाजर खाने से इसका समाधान हो जाएगा। इसके लिए आपको संपूर्ण खान-पान में बदलाव करने होंगे और सभी जरूरी पोषक तत्वों से लैस व्यंजन खाने होंगे। इसके अलावा आखों के चिकित्सक से मिलकर अपनी आखों की जांच जरूर करवा लें। इससे आप जरूरी सावधानियां बरत सकेंगे।

संतुलित डाइट का महत्व

आंखों की सेहत के लिए संतुलित डाइट बहुत जरूरी है। इसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, और अन्य पोषक तत्व शामिल होने चाहिए। विटामिन-ए के अलावा विटामिन-सी, विटामिन-ई, जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन सभी पोषक तत्वों का संतुलित मिश्रण आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसलिए, केवल गाजर पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। संतुलित डाइट से ही बेहतर परिणाम मिलेंगे।

नियमित जांच कराएं

आंखों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए नियमित जांच करानी चाहिए, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको किसी तरह की परेशानी महसूस हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क करें और सही उपचार करवाएं। इसके अलावा अपनी आंखों की देखभाल के लिए सही जानकारी और सलाह लेना भी जरूरी है। सही जानकारी और नियमित देखभाल से आप अपनी आंखों की सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

निष्कर्ष

इस लेख से साफ हो जाता है कि केवल गाजर खाने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार नहीं होगा। सही जानकारी और संतुलित डाइट ही आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए, किसी एक खाद्य पदार्थ पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसे अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ मिलाएं और समय रहते आखों का इलाज भी करवा लें। इसके अलावा ज्यादा मोबाइल आदि चलाने की आदत से भी बचें।

सिर्फ 5 से 6 हजार में रहना-खाना... ट्रैकिंग करना हुआ सस्ता, भारत में यहां जाएं

यूथ के बीच आजकल ट्रैवलिंग के लिए पहाड़ों की ट्रैकिंग काफी पॉपुलर है। ये एक एडवेंचर स्पोर्ट है जिसमें पहाड़ी इलाकों पर घने जंगलों के बीच पैदल चलकर डेस्टिनेशन पर पहुंचा जाता है। चलिए आपको बताते हैं कि सस्ते में पहाड़ों पर कहां ट्रैकिंग आसानी से पूरी की जा सकती है।

पहाड़ों की यात्रा करने वालों में अब ट्रैकिंग को पसंद करने लगे हैं। ये भारत में सोलो ट्रैवलिंग का बेस्ट ट्रेंड है। पर ज्यादातर लोगों में ये कंफ्यूजन रहती है कि ट्रैकिंग और कैंपिंग में काफी खर्च आता है। इसलिए अधिकतर इसे नजरअंदाज करते हैं। वैसे देश में कई ऐसे ट्रैक हैं जिन्हें कम पैसे में आसानी से कंप्लीट किया जा सकता है। ट्रैकिंग के दौरान नेचर को करीब से जानने का मौका मिलता है क्योंकि इस दौरान हम पहाड़ी इलाकों या जंगलों के बीच से पैदल निकलते हैं। बीच में अगर नदी या झील आ जाए तो ये नजारा न सिर्फ दिल को छूता है बल्कि दिमाग को शांत भी कर देता है।

क्या आप भी इस गर्मी वाले मौसम में पहाड़ों की ठंड को अलग अंदाज में एंजॉय करना चाहते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको भारत के एक सबसे पॉपुलर ट्रैक के बारे में बताएंगे जहां आप सस्ते में ट्रैकिंग कर सकते हैं।

ट्रैकिंग करना क्यों हुआ इतना सस्ता

एक समय था जब पहाड़ों पर ट्रैवलिंग, ट्रैकिंग या दूसरे एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए हजारों रुपये लगते थे। लेकिन सोशल मीडिया और कंपटीशन की वजह से ट्रैवलिंग का तरीका काफी सस्ता हो गया है। अब कई ऐसे मार्केटिंग प्लेटफॉर्म आ गए हैं जो सिर्फ 5 से 6 हजार में रहना-खाना और कई चीजों की सुविधा देते हैं।

आज कस्टमर तक पहुंचना आसान हो गया है इसलिए सस्ती सर्विस आसानी से मिल जाती हैं। आज कश्मीर से उत्तराखंड-हिमाचल तक यानी अमूमन हर जगह छोटी और बड़ी ट्रैकिंग के लिए ऑर्गेनाइजेशन ओपन हो गए हैं। इस वजह से कंपटीशन इस कदर बढ़ा हुआ है कि टूरिस्ट को ज्यादा फायदा होता है। चलिए आपको ऐसे ही एक ट्रैक के बारे में बताते हैं...

खीरगंगा ट्रैक, हिमाचल

हिमाचल के खीरगंगा को ट्रैकिंग के लिहाज से बहुत पसंद किया जाता है। आपका खर्च वैसे आपकी पसंद और बजट पर तय करता है लेकिन एवरेज किया जाए तो इस ट्रैक को 5 से 7 हजार में पूरा किया जा सकता है। ये इस पर भी डिपेंड करता है आप दिल्ली से यहां जा रहे हैं या फिर चंडीगढ़ से। चलिए आपको बताते हैं इसके एक रियलिस्टिक खर्च के बारे में...

दिल्ली टू खीरगंगा ट्रैकिंग

इसके लिए आपको दिल्ली से कसोल या भुंतर की बस लेनी होगी। नॉर्मल बस के लिए 800 से 1000 लगते हैं अगर वोल्वो या एसी बस लेते हैं तो इसके लिए 1200 से 1500 रुपये तक देने पड़ते हैं। आने जाने के बुकिंग 1500 से 2800 तक बैठ जाती है।

कसोल से बरशैणी

कसोल एक पॉपुलर टूरिस्ट स्पॉट है यहां पहुंचने के बाद ही खीरगंगा ट्रैक की शुरुआत होती है। इसकी दूरी 12 से 16 किलोमीटर है। आप यहां से लोकल बस (50 से 100), शेयरिंग टैक्सी (150-300 रुपये), और प्राइवेट टैक्सी 500 से 2000 में होती है। ट्रैक के लिए परमिट या फीस 100 प्रति व्यक्ति लगती है।

रहने के लिए खर्चा

बजट में ट्रैवलिंग करना चाहते हैं तो इसके लिए होस्टल ले सकते हैं जिसके एक दिन के 400 से 800 चुकाने पड़ते हैं। मिड रेंज की बात करें तो रिवरसाइड रूम के 1200 से 2500 तक लगते हैं।

खीरगंगा टॉप पर स्टे

बताया जाता है कि परमानेंट कैंपिंग बंद है इसलिए लोग नाथन, कलगा या पुलाग में होमस्टे में ठहर सकते हैं। इसके करीब 700 से 1500 रुपये का खर्च आता है। रात का औसत किराया 1000 से 3000 रुपये है।

खाने-पीने का खर्च

ब्रेकफास्ट (100 से 200 रुपये), कैफे फूड (250 से 500 रुपये)। पूरे ट्रिप पर फूड के लिए खर्च होने वाले पैसों का एवरेज लगाए तो इसके लिए 600 से 1500 लगते हैं। पूरा खर्च देखें तो 5 से 7 हजार आता है। कंफर्टेबल ट्रिप करना चाहते हैं 7 से 12 हजार रुपये। वैसे कई कंपनीज हैं जो 4000 से 7000 के बीच ट्रैकिंग का पैकेज देती हैं।

इसका फायदा है कि इसमें रहना-खाना सब शामिल होता है। बजट में ट्रैकिंग करना चाहते हैं तो HRTC बस से यात्रा, होस्टल में रुकना, शेयर टैक्सी लेना, अपने स्नैक्स और पानी ले जाना और ग्रूप में ट्रैवल करना चाहिए।

फुल टंकी में 800 किमी का माइलेज देने वाली प्लेटिना खरीदें या भरोसेमंद स्पेल्डर पल्स ? यहां दूर करें हर कन्फ्यूजन

नई दिल्ली ,08 मई ,। अगर आपका रोजाना का सफर लंबा है और आप हर दिन पेट्रोल पंप पर होने वाले खर्च से परेशान हैं, तो एक बेहतरीन माइलेज वाली बाइक ही सबसे सही समाधान है। भारतीय बाजार में जब भी कम बजट, आसान रखरखाव और शानदार माइलेज वाली कम्यूटर (रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली) बाइक्स की बात होती है, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस और बजाज प्लेटिना 100 का नाम सबसे ऊपर आता है। खासतौर पर ऑफिस जाने वालों, डिलीवरी बॉयज और छोटे व्यापारियों के लिए ये दोनों गाड़ियां पहली पसंद मानी जाती हैं। लेकिन इन दोनों दिग्गजों में से आपके लिए कौन सी बाइक 'पैसा वसूल' साबित होगी? आइए आपकी यह उलझन दूर करते हैं।

कीमत की रेस में कौन है 'बजट किंग'?

अगर आपका बजट थोड़ा टाइट है, तो कीमत के मामले में बजाज प्लेटिना 100 बाजी मार ले जाती है। प्लेटिना 100 की एक्स-शोरूम कीमत करीब 68 हजार रुपये से शुरू होती है। वहीं, देश की सबसे भरोसेमंद और मजबूत मानी जाने वाली हीरो स्प्लेंडर प्लस के लिए आपको अपनी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। स्प्लेंडर प्लस की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 76 हजार रुपये है। यानी दोनों बाइक्स के बीच सीधा 8 हजार रुपये का बड़ा अंतर देखने को मिलता है। ऐसे में कम बजट वाले ग्राहकों के लिए प्लेटिना एक शानदार और किफायती विकल्प बनकर उभरती है।

माइलेज की जंग: एक बार टंकी फुल, फिर लंबे सफर की छुट्टी

कम्यूटर सेगमेंट में ग्राहक सबसे ज्यादा माइलेज पर ध्यान देते हैं और इस मोर्चे पर दोनों ही बाइक्स बेहद दमदार हैं। कंपनी के दावों के अनुसार, हीरो स्प्लेंडर प्लस एक लीटर पेट्रोल में करीब 70 किलोमीटर तक दौड़ सकती है। अगर आप इसकी टंकी फुल करा लेते हैं, तो यह 680 किलोमीटर तक का सफर आसानी से तय कर लेती है। दूसरी तरफ, बजाज प्लेटिना 100 माइलेज के इस मुकाबले में एक कदम आगे नजर आती है। प्लेटिना 70 से 75 किलोमीटर प्रति लीटर का बेहतरीन माइलेज देती है और फुल टैंक पर यह करीब 800 किलोमीटर तक चलने का दावा करती है। ज्यादा माइलेज चाहने वालों के लिए प्लेटिना काफी फायदे का सौदा साबित हो सकती है।

फीचर्स और राइडिंग कंफट:र्

किस गाड़ी में है कितना दम?

हीरो स्प्लेंडर प्लस अपने दमदार इंजन के साथ-साथ अपनी आधुनिक तकनीक के लिए भी जानी जाती है। इसमें कंपनी की खास द्व3स (आइडल स्टॉप-स्टार्ट सिस्टम) तकनीक दी गई है, जो ट्रैफिक सिग्नल पर बाइक को अपने आप बंद और क्लच दबाते ही चालू कर देती है, जिससे पेट्रोल की भारी बचत होती है। इसके अलावा इसमें 'साइड-स्टैंड इंजन कट-ऑफ' जैसा जरूरी सेफ्टी फीचर भी मिलता है। वहीं, अगर बात बजाज प्लेटिना 100 की करें, तो यह अपने बेजोड़ आरामदायक सफर के लिए मशहूर है। इसमें खास सॉफ्ट सस्पेंशन दिया गया है, जो उबड़-खाबड़ और खराब रास्तों पर भी राइडर की कमर को झटके महसूस नहीं होने देता।

कुल मिलाकर, अगर आपकी प्राथमिकता सबसे ज्यादा माइलेज और गड्ढों वाले रास्तों पर आरामदायक सफर है, तो बजाज प्लेटिना 100 एक स्मार्ट चॉइस है। लेकिन, अगर आप लेटेस्ट सेफ्टी फीचर्स, मजबूती और रीसेल वैल्यू के साथ एक ऐसा भरोसा चाहते हैं जो सालों-साल चले, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस आज भी लोगों के दिलों की धड़कन है।

बैंकों ने कंजूसी दिखाई? आरबीआई के रेट कट के बावजूद नहीं कम हुईं लोन ईएमआई

वित्त वर्ष 2026 (FY26) में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती का लाभ बैंकों ने उधारकर्ताओं (Borrowers) को पूरी तरह से नहीं दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों ने अपनी उधारी दरों (Lending Rates) में कमी तो की है, लेकिन यह आरबीआई द्वारा की गई कटौती के अनुपात में काफी कम है। बैंकों द्वारा फंड की कॉस्ट और डिपॉजिट रेट्स में बैलेंस बनाने की कोशिशों के कारण ब्याज दरों में कटौती का ट्रांसमिशन धीमा रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा की गई ब्याज दर में कटौती का फायदा उधार लेने वालों को सिर्फ आंशिक रूप से ही मिला। उधार देने की दरें तो कम हुईं, लेकिन उतनी नहीं जितनी पॉलिसी दर में कटौती की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि RBI ने फरवरी 2025 से रेपो दर को 6.50 फीसदी से घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया, जो कि 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती थी। इसका उद्देश्य उधार लेने की कॉस्ट को कम करना और निजी निवेश को बढ़ावा देना था।

हालांकि, इस दर कटौती का वास्तविक उधार दरों में असर पूरे बैंकिंग सिस्टम में एक जैसा नहीं रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के दौरान उधार लेने की कॉस्ट में कमी तो आई, लेकिन उतनी नहीं जितनी रेपो दर में 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती हुई थी। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि बैंकों ने संतुलन बनाए रखने के लिए डिपॉजिट रेट्स में भी कटौती की, जिसका असर मार्जिनल कॉस्ट ऑफ़ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) जैसे उधार बेंचमार्क पर पड़ा।

सिर्फ 0.93 फीसदी की हुई कटौती

रिपोर्ट के अनुसार, नए कर्जों पर वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स में 93 बेसिस पॉइंट्स की गिरावट आई, जो दर कटौती के आंशिक असर को दिखाता है। वहीं, औसत MCLR में 45 बेसिस पॉइंट्स की गिरावट आई, जिससे पता चलता है कि बेंचमार्क उधार दरें ज्यादा ही धीमी गति से एडजस्ट की गई हैं। रेट कट का असर अलग-अलग तरह के बैंकों में अलग-अलग रहा। विदेशी बैंकों में उधार दरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, उसके बाद प्राइवेट सेक्टर के बैंकों और फिर सरकारी बैंकों का नंबर आया।

यह अंतर उन कर्जों के हिस्से से जुड़ा था जो बाहरी बेंचमार्क से जुड़े थे। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि बाहरी बेंचमार्क उधार दरों (EBLR) से जुड़े कर्जों का ज्यादा हिस्सा होने से, खासकर रिटेल और एमएसएमई सेक्टर्स में, रेट कट का असर ज्यादा तेजी से हुआ। विदेशी बैंकों के लगभग 94 फीसदी कर्ज EBLR से जुड़े थे, उसके बाद प्राइवेट बैंकों के 89 प्रतिशत कर्ज EBLR से जुड़े थे, जबकि सरकारी बैंकों के लगभग 51 प्रतिशत कर्ज EBLR से जुड़े थे।

सभी सेक्टर में अलग अलग दिखा असर

सेक्टोरल वाइज देखें तो, रेट कट का असर काफी अलग-अलग रहा। सबसे ज्यादा लेंडिंग रेट्स बिना किसी गारंटी वाले रिटेल कर्जें में देखी गईं, जो 10।1 प्रतिशत थीं, उसके बाद एग्री लोन का नंबर आया, जो 9।81 प्रतिशत थीं। इसके विपरीत, सबसे कम दर रुपए में दिए जाने वाले एक्सपोर्ट लोन के लिए थी, जो 6।78 प्रतिशत थी।

रिटेल लोन में, हाउसिंग लोन की दरें 7।63 प्रतिशत के साथ अपेक्षाकृत कम थीं, जबकि वाहन और शिक्षा लोन की दरें 9 प्रतिशत से ऊपर थीं। रेट कट का असर एक्सपोर्ट क्रेडिट और एजुकेशन लोन जैसे सेगमेंट में सबसे ज्यादा देखने को मिला, जहां उधार देने की दरें 160 बेसिस पॉइंट से ज़्यादा कम हो गईं। MSME लोन और बिना किसी गारंटी वाले रिटेल लोन में भी काफी गिरावट देखी गई, जो रेपो रेट में कटौती के लगभग बराबर थी। इसके विपरीत, कृषि, प्रोफेशनल सर्विसेज और बड़े उद्योगों जैसे क्षेत्रों में बहुत कम कटौती हुई।

19 हजार करोड़ की सेविंग

रिपोर्ट का अनुमान है कि उधार लेने वालों को कम ब्याज लागत से फायदा हुआ, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में कुल मिलाकर लगभग 19,000 करोड़ रुपए की बचत हुई। इस कटौती से हाउसिंग और MSME लोन को सबसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ। ब्याज दर चक्र के स्थिर होने के करीब पहुंचने के साथ, निकट भविष्य में उधार देने की दरों में केवल मामूली बदलाव की उम्मीद है, जब तक कि नीति की दिशा पर और स्पष्टता न आ जाए।

इस्राइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को अगले दौर की बातचीत, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इस्राइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा।

विदेश विभाग के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इस्राइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

बातचीत का केंद्र शांति स्थापित करना

अमेरिका ने साफ किया है कि बातचीत का केंद्र लेबनान की संप्रभुता को बहाल करना और लंबे समय के लिए क्षेत्र में स्थिरता व शांति लाना है। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अमेरिका मतभेदों को दूर करने की कोशिश करेगा ताकि इस्राइल को सुरक्षा और लेबनान को पुनर्निर्माण में मदद मिल सके।अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि शांति तभी संभव है जब लेबनान की सरकार का अपनी जमीन पर पूरा अधिकार हो। इसके लिए हिजबुल्लाह का पूरी तरह निहत्था होना जरूरी है। बता दें कि अमेरिका हिजबुल्लाह को एक विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम?

बयान में आगे कहा गया, ये चर्चाएं दशकों से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी और लेबनान में राजदूत मिशेल इस्सा के साथ एक बैठक के बाद, दोनों पक्षों के बीच 10-दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि युद्धविराम को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाया गया है। इस बीच, मार्को रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता पूरी तरह संभव है, लेकिन क्षेत्रीय हालात के कारण यह कठिन होगा। उन्होंने हिजबुल्लाह को शांति के रास्ते में मुख्य बाधा बताया। रुबियो के अनुसार, हिजबुल्लाह लेबनान की जमीन का इस्तेमाल इस्राइल पर हमले के लिए करता है, जिससे लेबनान के लोगों को भी भारी नुकसान होता है। फिलहाल दक्षिण लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई और उत्तर में हिजबुल्लाह के हमले जारी हैं।

नौ युद्ध खत्म कराए, अब रूस-यूक्रेन की बारी ; ईरान और हंतावायरस को लेकर कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक सफलताओं का दावा करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने अपनी उपलब्धियां गिनाईं। ईरान के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान के साथ चीजें अब सही रास्ते पर आ रही हैं।' राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान युद्धों को समाप्त करने की अपनी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने अब तक आठ युद्ध सुलझाए हैं, वास्तव में नौ युद्ध खत्म किए हैं। अब ऐसा लग रहा है कि हम 10वां युद्ध भी खत्म कर सकते हैं।' ट्रंप ने विशेष रूप से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को समाप्त करने की इच्छा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन दोनों देशों के बीच जारी भीषण युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। उनके इस बयान को वैश्विक राजनीति में अमेरिका की सक्रिय मध्यस्थता के रूप में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य के मोर्चे पर, राष्ट्रपति ने हंतावायरस को लेकर देश को आश्वस्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हंतावायरस के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास स्थिति पर काबू पाने के लिए बेहतरीन टीम है। विशेषज्ञ इस वायरस को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' उन्होंने कोविड-19 से इसकी तुलना करते हुए बताया कि हंतावायरस उतनी आसानी से नहीं फैलता है। सरकार के विशेषज्ञ इस पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं ताकि किसी भी तरह के खतरे को टाला जा सके।

ट्रंप प्रशासन का क्यूबा पर शिकंजा: GAESA समेत कई संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध, ईंधन और खाद्य संकट गहराने की आशंका

हवाना (क्यूबा)। अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का एलान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं।

नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना GAESA बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रतिबंध क्यूबा की पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकते हैं। क्विंसी संस्थान से जुड़े शोधकर्ता ली श्लेंकर ने कहा कि नई कानूनी शक्तियों के तहत अमेरिका अब तीसरे देशों की कंपनियों और नागरिकों पर भी कार्रवाई कर सकेगा। इसके तहत कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं और उनके निवेशकों तथा कर्मचारियों की अमेरिका यात्रा पर भी असर पड़ सकता है। क्यूबा मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री पावेल विडाल ने इन कदमों को बेहद चिंताजनक बताया। उनके अनुसार क्यूबा की अर्थव्यवस्था पहले ही लगभग ठप पड़ चुकी है और जनवरी से अमेरिका द्वारा ईंधन आपूर्ति रोके जाने के बाद हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंधों के बाद GAESA के साथ जुड़े विदेशी साझेदार भी दूरी बना सकते हैं क्योंकि बहुत कम कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती देने का जोखिम उठाएंगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक GAESA का क्यूबा की अर्थव्यवस्था पर बेहद गहरा प्रभाव है। यह समूह देश के खुदरा कारोबार, होटल, ट्रैवल एजेंसियों, कार रेंटल सेवाओं, वित्तीय संस्थानों और मुद्रा विनिमय नेटवर्क तक को नियंत्रित करता है। रिपोर्टों के अनुसार GAESA क्यूबा की जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से पर प्रभाव रखता है।

1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन और अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद क्यूबा की सेना ने इस कारोबारी ढांचे को खड़ा किया था। लंबे समय तक इसका नेतृत्व लुइस अल्बर्टो रोड्रिगेज लोपेज-कालेजा ने किया, जो पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के दामाद थे। उनके निधन के बाद अनिया गिलर्मिना लास्त्रेस को GAESA का नया प्रमुख बनाया गया, जिन्हें अब अमेरिकी ब्लैकलिस्ट में भी शामिल कर लिया गया है। वहीं, क्यूबा सरकार ने अमेरिकी प्रतिबंधों को सामूहिक सजा करार दिया है। हवाना का कहना है कि अमेरिका राजनीतिक दबाव बनाने के लिए क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रहा है और इससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एआई पर सहयोग बढ़ाएंगे भारत-अमेरिका ; चीन को घेरने की है तैयारी,

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और उभरती तकनीकों को लेकर सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। इसी बीच अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि AI जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए भारत और अमेरिका को खुलेपन के सिद्धांतों पर आगे बढ़ना होगा और विरोधी देशों पर किसी भी प्रकार की तकनीकी निर्भरता से बचना होगा।

अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी बेथानी मॉरिसन ने शुक्रवार को आयोजित यूएस-इंडिया एआई एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएस-इंडिया एआई और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम की ओर से किया गया था।

बेथनी मॉरिसन ने कहा कि

अमेरिका चाहता है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों को विश्वस्तरीय तकनीक तक पहुंच मिले और उसे समाज के विकास व लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि AI तकनीक में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लाभ पूरी तरह तभी मिल सकते हैं जब देश खुले और सुरक्षित तकनीकी ढांचे पर काम करें।

विरोधी देशों पर निर्भरता से बचें

उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी तकनीकी साझेदारी सुरक्षा, इंटरऑपरेबिलिटी और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला पर आधारित हो। साथ ही हमें विरोधी देशों पर निर्भरता से बचना होगा।

एआई के क्षेत्र में कितना हुआ निवेश?

मॉरिसन ने AI क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे निवेश का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि साल 2026 की पहली तिमाही में निजी क्षेत्र ने AI तकनीकों के विकास में 300 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है, जिसमें आधे से अधिक निवेश अमेरिकी कंपनियों द्वारा किए गए हैं।

भारत की हुई सराहना

उन्होंने भारतीय कंपनियों की भी सराहना करते हुए कहा कि भारत की कंपनियां AI और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि इसी सप्ताह आयोजित सेलेक्टयूएसए इन्वेस्टमेंट समिट में भारतीय कंपनियों ने 1.1 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते तकनीकी और आर्थिक रिश्तों का संकेत है। अमेरिकी अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार साफ तौर पर समझती है कि AI तकनीक का इस्तेमाल दोनों देशों की समृद्धि और विकास के लिए होना चाहिए, लेकिन साथ ही इससे जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर भी सतर्क रहना जरूरी है।

बेथनी मॉरिसन ने कहा कि अमेरिका और भारत तकनीकी नवाचार के अगले दौर में एक मजबूत साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश मिलकर AI के भविष्य को दिशा देंगे और वैश्विक स्तर पर नई तकनीकी नेतृत्व क्षमता विकसित करेंगे।

17 राज्यों में 457 जासूस गिरफ्तार... ऑपरेशन सिंदूर के बाद आईएसआई की बढ़ी गतिविधियां

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को मई 2025 में शुरू किए जाने के बाद से ही देश में ISI की गतिविधियां बढ़ गईं। ऐसे में पूरे देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पाकिस्तान से जुड़े 457 जासूसों या इससे जुड़े लोगों की पहचान करके उन्हें गिरफ्तार किया गया है। इस आंकड़े की जानकारी पंजाब पुलिस की ISI पर आधारित एक रिपोर्ट में सामने आई है। पंजाब के DGP गौरव यादव के मुताबिक, राज्य पुलिस ने दूसरे राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों को कई ऐसी खुफिया जानकारी दी जिन पर कार्रवाई की जा सकती थी।

इसके जरिए 2025 में 457 लोगों और मार्च 2026 तक 17 और लोगों की पहचान हो पाई, जो PIO (पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों) के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि पंजाब ISI के मुख्य लक्ष्यों में से एक बना हुआ है। हमारी खुफिया जानकारी से हमने पहले से ही सक्रिय कदम उठाए, जिसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं और संवेदनशील जानकारी लीक होने से पहले ही हमने उनके गुर्गों को समय रहते पकड़ लिया।

संवेदनशील जानकारियां इकट्ठा की

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद ISI ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों (PIOs) की तैनाती काफी बढ़ा दी थी और उन्हें सैनिकों की आवाजाही, रणनीतिक जगहों और सीमा पर तैनातियों के बारे में संवेदनशील जानकारी इकट्ठा करने का काम सौंपा था। आरोप है कि नए लोगों को सोशल मीडिया, हनी-ट्रैपिंग और पैसों का लालच देकर निशाना बनाया गया। इन पैसों का लेन-देन हवाला चैनलों और एनक्रिप्टेड ऐप्स के ज़रिए किया जाता था। कुछ जासूसों ने तो सेना और पुलिस की इमारतों के पास सोलर-पावर्ड CCTV कैमरे लगाने की भी कोशिश की, लेकिन समय रहते उन्हें पकड़ लिया गया।

जासूसी के जरिए, पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने मार्च 2026 के आखिरी हफ्ते और अप्रैल 2026 के पहले हफ्ते में पता लगाया कि ISI के इशारे पर काम करने वाले एजेंट, स्थानीय लोगों को अहम और सैन्य ठिकानों पर SIM वाले सोलर कैमरे लगाने का काम सौंप रहे थे। इसका मकसद सैन्य गतिविधियों पर दूर से नजर रखना और पैसे के बदले निगरानी की फुटेज सीमा पार बैठे अपने आकाओं तक पहुंचाना था। ऐसे लोगों को कैमरे चालू होने से पहले ही पकड़ लिया गया। इसके बाद दूसरी एजेंसियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई और पूरे राज्य में तलाशी अभियान चलाए गए, जिसके चलते जासूसी की ऐसी कई कोशिशों का पता चला और उन्हें नाकाम कर दिया गया।

शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण में माखनलाल सरकार के पीएम मोदी ने छुए पैर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। ऐसे में पीएम मोदी ने मंच पर एक बुजुर्ग के पैर छुए, उन्हें शॉल उढ़ाया और मुस्कुराकर गले लगाया। पीएम मोदी ने उनका सम्मान किया। इस तस्वीर को देखकर हर किसी के मन में एक सवाल उठा कि आखिर ये बुजुर्ग व्यक्ति कौन हैं, जिनके पीएम मोदी ने पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया? ये बुजुर्ग पश्चिम बंगाल में BJP के सबसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में से एक हैं। इनका नाम माखनलाल सरकार है। इनकी उम्र 98 साल है। माखनलाल सरकार आजादी के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती दौर के जमीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं। 1952 में उन्हें कश्मीर में भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ होने पर गिरफ्तार कर लिया गया था।

माखनलाल सरकार 1980 में BJP के गठन के बाद वे पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों के संगठनात्मक समन्वयक बने। सिर्फ एक साल के अंदर ही, उन्होंने लगभग 10,000 सदस्यों को पार्टी में शामिल करवाने में मदद की। 1981 से लगातार सात वर्षों तक उन्होंने जिला अध्यक्ष के रूप में सेवा की। यें उस समय एक असाधारण उपलब्धि थी, जब आम तौर पर BJP के नेता किसी एक ही संगठनात्मक पद पर दो साल से ज्यादा नहीं रह पाते थे।

प्रधानमंत्री एक खुली गाड़ी में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और सुबह से ही शपथ ग्रहण समारोह के लिए जमा हुए हजारों समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। मोदी सुबह 10 बजे से कुछ ही पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और उसके बाद हेलीकॉप्टर से रेस कोर्स मैदान तक गए, जहां से वे सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

ब्रिगेड में केसरिया का सागर

ब्रिगेड परेड मैदान केसरिया रंग के सागर में बदल गया, क्योंकि पूरे पश्चिम बंगाल, पड़ोसी राज्यों जैसे झारखंड और यहां तक कि विदेशों से भी BJP समर्थक इस कार्यक्रम को देखने के लिए पहुंचे थे।

'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' की एक्ट्रेस के साथ डिलीवरी बॉय ने की बदतमीजी, अभिनेत्री ने पुलिस से की शिकायत

'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'गुंजन सक्सेना' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री रीवा आरोरा ने एक डिलीवरी बॉय पर उनके साथ अभद्रता करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, घटना 13-14 दिन पुरानी है। एक्ट्रेस ने डिलीवरी बॉय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लगभग दस दिन बाद इस घटना के बारे में जानकारी दी है।

हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए रीवा आरोरा ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना 26 अप्रैल को मुंबई स्थित उनके घर पर एक नियमित किराने की डिलीवरी के दौरान हुई है। जहां एक डिलीवरी बॉय से लगभग 30 से 40 मिनट तक झड़प हुई, जिसके बाद उनके परिवार ने मुंबई पुलिस को बुलाया।

अभिनेत्री ने कहा कि यह घटना परेशान करने वाली थी। रीवा ने डिलीवरी बॉय पर आरोप लगाते हुए बताया कि डिलीवरी एजेंट दोपहर लगभग 3:30 बजे ऑर्डर लेकर आया और शुरू से ही उसका व्यवहार गलत था। बार-बार मना करने के बावजूद वह अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करता रहा।

जब मैंने जवाब दिया, तो स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। मेरी मां (निशा अरोरा) ने शांति से मामले को सुलझाने और स्थिति को शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया। लेकिन मामला सुलझने के बजाय डिलीवरी एजेंट का व्यवहार अपमानजनक बना रहा। यही नहीं टकराव दरवाजे पर ही खत्म नहीं हुआ और डिलीवरी बॉय के इमारत से निकलते समय भी जारी रहा।

एक्ट्रेस ने पुलिस में की शिकायत

अभिनेत्री ने आगे आरोप लगाया कि स्थिति तब और बिगड़ गई जब मेरी बहन का उससे लिफ्ट में सामना हुआ। रीवा ने कहा कि जब मेरी बहन का उससे लिफ्ट में सामना हुआ, जब वह जा रहा था, तो बार-बार मना करने के बावजूद उसने अभद्र भाषा का प्रयोग जारी रखा।

उस समय हमें लगा कि उसका व्यवहार हद से ज्यादा बढ़ गया है और इस पर गंभीरता से कार्रवाई करने की जरूरत है। बिना किसी उकसावे के उसने हमसे बदतमीजी और गंदी व भद्दी भाषा का इस्तेमाल किया। वह बार-बार इसी तरह बोलता रहा।

जब कहासुनी के बाद उसने परिसर से निकलने की कोशिश की, तो हम उसके पीछे नीचे गए और उसे भागने से रोकने में कामयाब रहे। डिलीवरी बॉय ने लगभग 30 से 40 मिनट तक हमारे परिवार का मौखिक रूप से उत्पीड़न किया। हमने तुरंत मुंबई पुलिस को बुलाया। डिलीवरी बॉय के अलावा एक्ट्रेस क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है।

बहरूपिया बने रणदीप हुड्डा को देख चौंके फैंस; 'इंस्पेक्टर अविनाश' के हालिया रिलीज ट्रेलर पर जमकर मिले व्यूज

लगभग तीन साल बाद रणदीप हुड्डा सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे पार्ट में नजर आएंगे। हालिया रिलीज इसका ट्रेलर खूब ट्रेंड कर रहा है। इसे सोशल मीडिया पर मिलियन में व्यूज मिल रहे हैं। साथ ही फैंस भी इस पर खूब रिएक्शन दे रहे हैं।

साल 2023 में रणदीप हुड्डा एक सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आए थे। इस सीरीज का अगला पार्ट 15 मई से जियो हॉटस्टार के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा। हालिया रिलीज इसके ट्रेलर में कहानी की झलक मिली। इस बार भी सीरीज में अपराध और राजनीति का जबरदस्त खेल देखने को मिलेगा। इंस्पेक्टर अविनाश अपराधियों को पकड़ने के लिए बहरूपिए के तौर पर इस बार सीरीज में नजर आएगा। इस सीरीज के ट्रेलर और रणदीप हुड्डा के लुक को देखकर फैंस चौंक गए हैं। ट्रेलर को जमकर व्यूज मिल रहे हैं।

रणदीप हुड्डा की इस सीरीज के ट्रेलर को रिलीज हुए दो दिन हुए हैं। इंस्टाग्राम पर इस ट्रेलर को 50 लाख व्यूज मिल चुके हैं। इसके अलावा यूट्यूब पर इसे 6 लाख व्यूज मिले हैं। फैंस को इस सीरीज का काफी वक्त से इंतजार था। यह सीरीज लगभग तीन साल बाद वापसी कर रही है।

फैंस ने रणदीप हुड्डा के लुक और अंदाज पर दिए रिएक्शन

फैंस को रणदीप हुड्डा का सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में अंदाज और अभिनय पसंद आया है। कई यूजर्स सीरीज देखने के लिए एक्साइटेड है। एक यूजर ने लिखा, 'तीन साल का इंतजार।' इसी तरह के कई कमेंट्स फैंस ने किए हैं। किसी फैन ने इसे रणदीप हुड्डा की बेस्ट परफॉर्मेंस बताया है। कई फैंस ने सिर्फ हार्ट, फायर इमोजी रणदीप के लिए शेयर किए हैं।

असल कहानी पर आधारित है सीरीज

'इंस्पेक्टर अविनाश' उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा पर आधारित है। राज्य में होने वाले अपराधों से वह और उनकी टीम कैसे निपटे थे, यही सीरीज की भी कहानी है। इस सीरीज में अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह, शलीन भनोट और उर्वशी रौतेला जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। यह सभी पहले सीजन का भी हिस्सा था।

'लगा जैसे परिवार के साथ वक्त बिता रहा हूं', 'दादी की शादी' पर फैंस ने दिए रिएक्शन

नीतू कपूर और कपिल शर्मा की अदाकारी से सजी फिल्म 'दादी की शादी' आज 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज के तुरंत बाद, कई फिल्म प्रेमियों ने इसका पहला शो देखा और सोशल मीडिया पर अपने रिव्यू लिखे। ऐसा लगता है कि उन्हें यह फिल्म पसंद आई है। आइए जानते हैं दर्शकों ने फिल्म को लेकर कैसी प्रतिक्रिया दी है।

एक एक्स यूजर ने फिल्म से अपने आपको काफी जुड़ा हुआ पाया है। उन्होंने लिखा 'दादी की शादी देखते हुए ऐसा लग रहा था कि मैं अपने परिवार के साथ वक्त बिता रहा हूं। एक और यूजर ने कहा है कि फिल्म की कॉमेडी अच्छी है।

सिनेमा में झूमे दर्शक

एक और यूजर ने लिखा है 'थिएटर में हर उम्र के लोगों को समान रूप से आनंद लेते देखना ही दादी की शादी के बारे में बहुत कुछ कह जाता है।'

यूजर को पसंद आई फिल्म

एक यूजर ने फिल्म के कुछ स्टिल्स शेयर करते हुए लिखा, 'ऐसी फिल्में आपको याद दिलाती हैं कि फैमिली एंटरटेनर्स सिनेमाघरों में इतनी अच्छी तरह से क्यों चलती हैं।'

क्या है फिल्म की कहानी?

ख्याल रहे कि फिल्म 'दादी की शादी' की कहानी एक दादी की सोशल मीडिया पर हुई एक गलती के इर्द-गिर्द घूमती है। इससे उनकी पोती की शादी में भारी हंगामा मच जाता है। इसके निर्देशक आशीष आर मोहन हैं। यह फिल्म 'मदर्स डे' से ठीक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जो पूरे परिवार के साथ समय बिताने का एक बेहतरीन मौका है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com